खबर जो सत्य उगले...

प्रचण्ड समय

हिंदी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष-5, अंक-133, पृष्ठ-8, मूल्य- 6 रुपए

आरएनआई नंबर- एचपीएचआईएन/2019/79889

संपादक - अश्वनी वर्मा

70180-86211

prachandsamay.com

हिमाचल का सबसे तेज बढ़ता अखबार

सुविचार

"जो हम दूसरों को देंगे वही लौटकर हमारे पास आएगा चाहे वो इज्जत हो, सम्मान हो या फिर धोखा।"

शिल्पा शेट्टी के... पेज-8

एक महीने में 5.51 करोड़ की शराब जब्त... पेज-6

शिमला, शुक्रवार, 19 अप्रैल, 2024

उप मुख्यमंत्री की बेटी आस्था अग्निहोत्री ने चुनाव लड़ने से किया इनकार, कही भावुक कर देने वाली बातें

प्रचण्ड समय . शिमला

हिमाचल प्रदेश में लोकसभा की चार सीटों के लिए भाजपा ने अपने प्रत्याशी उतार दिए हैं, लेकिन अभी तक कांग्रेस हमीरपुर और कांगड़ा से अपने प्रत्याशियों के नामों का ऐलान नहीं कर पाई है।

वहीं, चर्चाएं ये भी चली कि हमीरपुर लोकसभा सीट पर कांग्रेस उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री की बेटी डॉक्टर आस्था अग्निहोत्री को मैदान में उतार सकती है, लेकिन अब आस्था अग्निहोत्री के पिता और उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने इन चर्चाओं पर विराम लगा दिया है।

आस्था अग्निहोत्री ने कहा कि कांग्रेस हाई कमान ने उन्हें चुनाव लड़ने के लिए कहा था जो कि सम्मान की बात है, लेकिन इस वक्त परिस्थितियाँ अलग है। उन्होंने कहा कि उनकी मां सिम्मी अग्निहोत्री के निधन को अभी दो माह ही हुए हैं, ऐसे में उन्होंने विनम्रता से चुनाव लड़ने को लेकर असमर्थता जाहिर की है। वहीं, आस्था ने गगरेट से चुनाव लड़ने के सवाल पर कहा कि वो दो-दो विधानसभा क्षेत्रों से उनके परिवार द्वारा ही चुनाव लड़ने के पक्ष में नहीं है। उन्होंने कहा कि पिछले 25 वर्षों से हरोली विधानसभा से एक रिश्ता जुड़ा हुआ है और पिता मुकेश अग्निहोत्री लगातार चुनाव जीतते आ रहे हैं। ऐसे में किसी और विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने की कोई लालसा नहीं है। उन्होंने कहा कि गगरेट से किसी भी स्थानीय नेता को ही चुनाव लड़वाना चाहिए। वहीं आस्था ने पार्टी के प्रचार के लिए अपनी हामी भरते हुए कहा कि उनका परिवार कांग्रेस के साथ चट्टान की तरह साथ खड़ा है।

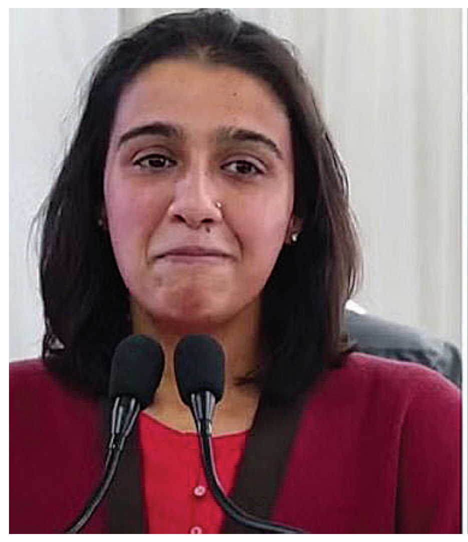

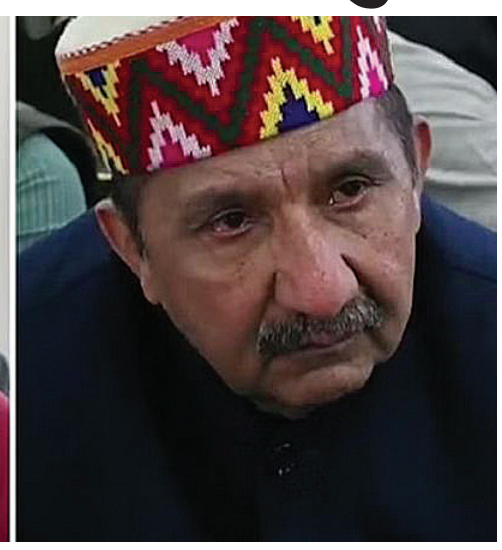

'मां की यादों में जूझ रही हूं'

उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि आस्था अग्निहोत्री ने चुनाव लड़ने से मना कर दिया है। आस्था अग्निहोत्री कहती हैं कि ''मैं मां के बिना जीने का रास्ता तलाश रही हूं, मां ने यह राजनीतिक सल्तनत खड़ी की, उनकी यादों से जूझ रही हूं। इस दुःखद घड़ी में लोकसभा या विधानसभा जाने की लालसा नहीं। राजनीति से ऊपर मेरी मां की अनगिनत समृतियों ने मुझे भीतर से तोड़ दिया है, पापा भी बोल्ड फेस रख रहे हैं, लेकिन हकीकत मैं जानती हूं। यह समय मां को श्रद्धा सुमन अर्पित करने का, चुनाव लड़ने का कतई भी नहीं है। इसलिए प्रस्ताव करने के लिए सभी का आभार।''

पीठ ने एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की ओर से पेश अधिवक्ता प्रशांत भूषण के एक सवाल पर चुनाव आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ वकील मनिंदर सिंह से इस आरोप की जांच करने को कहा कि केरल के कासरगोड जिले में मॉक पोल के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार को अतिरिक्त वोट मिले थे।श्री भूषण ने एक समाचार रिपोर्ट के हवाले से कहा था कि केरल में एक मॉक पोल के दौरान चार ईवीएम और वीवीपैट में भाजपा के पक्ष में एक अतिरिक्त वोट दर्ज पाया गया।पीठ ने श्री सिंह से इस मामले की फिर जांच करने का निर्देश दिया। गौरतलब है कि लोकसभा 2024 चुनाव के पहले चरण में 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 102 सीटों पर 19 अप्रैल को होने वाले हैं।

प्रचण्ड समय स्कैंडल सीरियल

लेखक अश्वनी वर्मा

मुकेश बेशक दिखा रहे हैं बोल्ड फेस....

मुकेश की बेटी ने लोकसभा या विधानसभा का चुनाव लड़ने से साफ इन्कार कर दिया है। कांग्रेस को जरूर इससे झटका लगा होगा लेकिन मुकेश के पारिवारिक कारण सबको सोचने के लिए मजबूर करते हैं। मुकेश राजनीति से पहले एक बोल्ड पत्रकार भी रहे हैं। उनकी जीवटता किसी से छिपी नहीं है। पर उनकी पत्नी सिमी अग्निहोत्री के निधन ने उन्हें झकझोर दिया है। कांग्रेस आलाकमान की उनकी बेटी पर नजर थी कि वे लोकसभा चुनाव या विधानसभा का उपचुनाव लड़े। आज उनकी बेटी ने लड़ने से साफ इन्कार करते हुए कहा है कि वे अपनी मां की स्मृतियों के सहारे जिन्दगी जीने का रास्ता तलाश रही हैं। साथ में उन्होंने खुलासा भी क्या कि बेशक चेहरे से मुकेश बोल्ड दिख रहे हों लेकिन अंदर की बात वे ही जानतें हैं। जाहिर है कि सिमी अग्निहोत्री से मुकेश और आस्था उभर नहीं पाए हैं।

भाजपा को भाजपा ने ही हराया है

विधानसभा के पिछले चुनावों में भाजपा का मिशन रिपीट सफल नहीं हो पाया है। जबकि सब जानते हैं कि भाजपा मिशन रिपीट की दहलीज पर खड़ी थी। भाजपा को हराने में उसीके दिग्गज ललकार रहे थे जो नहीं चाहते थे कि जय राम ठाकुर किसी भी हालत में मुख्यमंत्री नहीं बन पाएं। यह अलग बात है कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाशा नड्डा हिमाचल से ही ताल्लुक रखते थे। भाजपा के विद्रोहियों ने उनकी एक नहीं सुनीं। यह अलग बात है कि भाजपा के अपने ही विराधी आज भी सरताज बने हुए हैं। अब भी भाजपा के विरोधी फन फैला रहे हैं, पर कहा नहीं जा सकता कि भाजपा की ताकतें उन्हें मना पाएंगी या नहीं। कहा तो यहां तक जाने लगा है कि भाजपा की इन ताकतों का मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू से सफ्ट कोर्नर बना हुआ है। इसिलिए सवाल उठ रहा है कि मिशन लोट्स का ख्वब देखने वाली भाजपा का फायर कही मिस फायर न कहलाने लगे। अपने ही भाजपाई नहीं संभलें तो किरकिरी तो नड्डा की ही होगी।

मच्छयाल खड्ड में डूबने से युवक की मौत

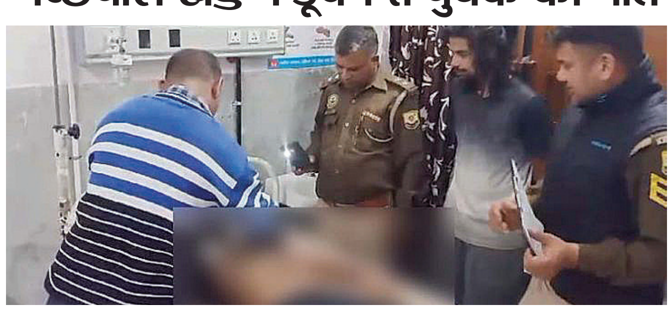

प्रचण्ड समय . शिमला

मंडी जिला के जोगिंद्रनगर के सैंथल (मच्छयाल) खड्ड में एक युवक की डूबने से मौत का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान बंटी (28) निवासी दिल्ली के तौर पर हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने घटना के संबंध में मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार बंटी अपनी दोस्ट ज्योति और शोनक के साथ बीड़ घूमने आया था। यहां वह अपने दोस्त कार्तिक देशपांड की कैंपिग साइट वंडरिंग म्यूजिजिशन में रह रहे थे। चारों ही दोस्त बुधवार को सैंथल घूमने आए जहां पहले उन्होंने मंदिर में माथा टेका और इसके बाद नहाने के लिए उतर गए। कार्तिक देशपांड और ज्योति जब नहाने उतरे तो उन्हें डूबता देख बंटी भी उन्हें बचाने के लिए पानी में उतर गया। बंटी के दोनों दोस्त तो बच गए लेकिन उन्हें बचाने के चक्कर में बंटी खुद पानी में डूब गया। इसके बाद मौके पर मौजूद अन्य लोगों नें बंटी को पानी से बाहर निकाला और इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

एचआरटीसी की बस का चलते-चलते खुल गया टायरों का हिस्सा, बड़ा हादसा टला

प्रचण्ड समय . शिमला

हिमाचल प्रदेश के जिला मंडी में एचआरटीसी की सेमी डिलक्स बस का चलते-चलते पिछले टायरों का पूरा हिस्सा ही खुल गया और बस की पूरी बॉडी जोर से सड़क पर धड़ाम करके आ गिरी। गनीमत यह रही कि बस नियंत्रित हो गई और कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। बस में सवार सभी यात्री पूरी तरह से सुरक्षित हैं और उन्हें दूसरी बस में बैठाकर आगे भेज दिया गया है।

हादसे के बाद नियंत्रित हो गई बस

मिली जानकारी के अनुसार एचआरटीसी की यह बस आज सुबह जोगिंद्रनगर से अमृतसर जा रही थी। नेरी के पास जैसे ही बस पहुंची तो अचानक बस के पिछले वाले टायरों का पूरा हिस्सा ही बस से अलग हो गया। इससे बस में सवार यात्रियों में खलबली मच गई। हादसे के बाद बस नियंत्रित हो गई और बड़ा हादसा टल गया।

क्या बोले एचआरटीसी मंडी के डीएम

वहीं, जब इस बारे में एचआरटीसी मंडी के डीएम विनोद ठाकुर से बात की गई तो उन्होंने इसकी पुष्टि की। उन्होंने बताया कि जो हिस्सा खुला है उसे डिफरेंशियल टयूब कहा जाता है। अमूमन यह खुलती नहीं है, लेकिन यह किन कारणों से हुआ इसकी जांच की जा रही है। टेक्निकल टीम को मौके पर भेज दिया गया है। सारी विषय की जांच की जा रही है। सभी सवारियों को निगम की दूसरी बस में भेज दिया गया है।

चौबीस कैरेट सोने जैसी खरी है मोदी की गारंटीः जयराम ठाकुर

प्रचण्ड समय . मंडी

पूर्व मुख्यमंत्री एवम नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दी हुई गारंटी चौबीस कैरेट सोने जैसी खरी है। भाजपा का संकल्प पत्र मोदी की गारंटी से युक्त है जो 2047 का रोडमैप दिखा रहा है जबकि कांग्रेस का घोषणापत्र सिर्फ़ झूठ का पुलिंदा है। उन्होंने आज सराज के थुनाग में कहा कि एक तरफ इंडी गठबंधन सिर्फ़ नरेंद्र मोदी को रोकने के लिए नित नए दावे कर रहा है जबकि दूसरी तरफ़ भाजपा 2047 तक विकास का खाका तैयार कर चुकी है।

भाजपा के संकल्प पत्र में आने वाले पांच साल में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण की गारंटी दी गई है। अगले पांच साल तक मुफ्त राशन, पानी, गैस कनेक्शन और पीएम सूर्यघर से जीरो बिजली बिल आयेंगे जबकि आयुष्मान भारत योजना से पांच लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज सुविधा जारी रहेगी। मध्यम वर्ग परिवारों के लिए पक्के घर और स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार होगा। नेशनल एजुकेशन पॉलिसी लागू होगी, युवाओं के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर, इन्वेस्टमेंट, मैन्युफेक्चरिंग, हाई वैल्यू सर्विसेज, स्टार्टअप और टूरिज्म और खेल के जरिये लाखों रोजगार के अवसर मिलेंगे। यही नहीं नारी तू नारायणी के तहत आगे 3 करोड़ लखपति दीदी बनाएंगे। महिला सेल्फ हेल्प ग्रुप को सर्विस सेक्टर से जोड़कर नए रोजगार के अवसर देने का प्रण लिया गया है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लागू कर अब 33 प्रतिशत आरक्षण संसद और विधानसभा में भी होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के मंडी संसदीय क्षेत्र के प्रत्याशी विक्रमादित्य सिंह कह रहे हैं कि आपदा में कंगना रनौत कहां थी और उन्होंने क्या दिया। लेकिन हम पूछना चाहते हैं कि जब आपदा में कुल्लू से मंडी तक सात पुल बहे तो आप बताएं कि बतौर लोक निर्माण मंत्री आपने कितने तैयार किए। सच्चाई तो ये है कि आपने अभी तक एक पुल तक नहीं बनाया। पंडोह और कुनका तर पुल की आखिर नौ माह बाद भी क्यों सुध नहीं ली गई। उन्होंने कहा कि आपदा में राहत बांटने के नाम पर सबसे बड़ा घोटाला हुआ है। कांग्रेस पार्टी से संबंधित जिन लोगों का मात्र आंशिक नुकसान हुआ है उन परिवारों को पूरा मुआवजा बांटा गया और जिन भाजपा से संबंधित लोगों के पूरे के पूरे घर तबाह हुए उन्हें आज तक मुआवजे और रिपोर्ट के लिए इंतज़ार करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार को इन चुनावों में इसका खामियाजा भुगतना ही पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि भाजपा के संकल्प पत्र में आने वाले वर्षों में बीज से बाजार तक किसानों की आय बढ़ाने, श्रीअन्न को सुपर फूड की तरफ स्थापित करने, नैनो यूरिया और प्राकृतिक खेती से जमीन की सुरक्षा,कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास, माइग्रेंट वर्कर्स, टैक्सी ड्राइवर, ट्रक ड्राइवर, ऑटो ड्राइवर, कुली और घर में काम करने वाले श्रमिकों को ई-श्रम पर जोड़ कर कल्याणकारी योजनाओं का लाभ देना, हाईवे पर ट्रक चालकों के लिए आधुनिक सुविधाएं,भारत योग का ऑफिशियल सर्टिफिकेशन देगा, विश्वभर में तिरुवल्लूवर कल्चरल सेंटर के माध्यम से भारत की संस्कृति को विश्व में ले जाएंगे, भारत की क्लासिकल भाषाओं के अध्ययन की व्यवस्था उच्च शिक्षण संस्थाओं में करेंगे, एकलव्य स्कूल, पीएम जनमन, वन उत्पादों में वैल्यू एडिशन एवं ईको टूरिज्म को बढ़ावा देंगे। इसके अतिरिक्त ओबीसी, एससी, एसटी समुदायों को जीवन के हर क्षेत्र में सम्मान देंगे।

प्रधानमंत्री जी ने भारत को ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने की गारंटी दी है। अर्बन हाउसिंग, ट्रांसपोर्टेशन, वाटर मैनेजमेंट, साफ हवा, कचरे के ढेर से मुक्ति और स्वच्छ पानी के लिए मिशन मोड पर काम होगा। इस वर्ष विश्वभर में रामायण उत्सव मनाएंगे और अयोध्या का विकास होगा ताकि ये दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक पर्यटन केंद्र बन सके। देश में 5जी नेटवर्क टेक्नोलॉजी का विस्तार, 6G पर काम होगा। भ्रष्टाचार के खिलाफ अधिक सख्त कार्रवाई होगी, परफॉर्म, रिफॉर्म, ट्रांसफॉर्म का मंत्र शासन के हर क्षेत्र में लागू होगा। भारतीय दंड संहिता की जगह अब भारतीय न्याय संहिता लागू होगी। वन नेशन, वन इलेक्शन के साथ ही कॉमन इलेक्टोरल रोल की व्यवस्था होगी। समृद्ध भारत के लिए विश्वकर्मा परिवारजन, एमएसएमई और छोटे ट्रेडर्स को स्किल सिखाने, क्रेडिट देने, और उनके उत्पादन को बाजार से जोड़ने की गारंटी दी गई है। यही नहीं भारत को विश्व की तीसरी बड़ी आर्थिक शक्ति बनाने की गारंटी भी भाजपा दे रही है। रेलवे में नई पटरियां जुड़ेंगी। नई वंदे भारत, अमृत भारत और नमो भारत ट्रेनें चलेंगी। वर्ल्ड क्लास स्टेशन बनेंगे और आने वाले वर्षों में वेटिंग लिस्ट की समस्या खत्म होगी। देश में नए एयरपोर्ट हाईवे, मेट्रो, अंडरवाटर मेट्रो का निर्माण जारी रहेगा। उत्तर, दक्षिणी ,पूर्वी भारत में बुलेट ट्रेन कॉरिडोर की फिजिबिलिटी स्टडी शुरू होगी।

नॉर्थ-ईस्ट में विकास यात्रा जारी रहेगी। तटीय, द्वीप, पहाड़ी हर क्षेत्र की विशेष जरूरतों के अनुसार मास्टर प्लान तैयार होगा। आने वाले कुछ वर्षों में भारत स्पेस, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, क्वांटम, सेमीकंडक्टर, ग्रीन हाइड्रोजन, इलेक्ट्रिक वीकल टेक्नोलॉजी में अग्रणी बनेगा और 2047 तक उर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करेगा।

न्यूज ब्रीफ..

हिमाचल प्रदेश के कारीगरों और बुनकरों के सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है फ्लिपकार्ट समर्थ

मंडी . प्रचण्ड समय. भारत के आर्थिक परिदृश्य की विविधता में कारीगर, बुनकर और शिल्पकार वो रंगीन धागे हैं, जो राष्ट्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान करते हैं। पारंपरिक शिल्प को बढ़ावा देने और जमीनी स्तर पर आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने में इन महिलाओं और सूक्ष्म उद्यमियों की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए भारत के घरेलू ई-कॉमर्स बाजार फ्लिपकार्ट ने उनके सशक्तीकरण और उत्थान के लिए प्रतिबद्धता जताई है। 2019 में लॉन्च किया गया फ्लिपकार्ट समर्थ कार्यक्रम अब अपने 5वें वर्ष में भारत भर के दस लाख से अधिक कारीगरों, बुनकरों और शिल्पकारों के लिए आशा और प्रगति की किरण के रूप में खड़ा है।विश्व कारीगर दिवस के अवसर पर फ्लिपकार्ट ने वंचित समुदायों को सशक्त बनाने, स्थानीय प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर पर ग्राहकों से जोड़ने की अपनी प्रतिबद्धता को मजबूती दी है। फ्लिपकार्ट समर्थ ने कार्यक्रम के उल्लेखनीय प्रभाव को उजागर करते हुए पिछले वर्ष व्यवसायों को 300% बढ़ने में मदद की। 50करोड़ से अधिक ग्राहकों को अखिल भारतीय बाजार तक पहुंच प्रदान करके फ्लिपकार्ट कारीगरों के सपनों को ई-कॉमर्स सेक्टरके साथ एकीकृत करता है। यह पहल सामाजिक कल्याण के प्रति फ्लिपकार्ट के समर्पण की प्रतीक है।यहां एक ऐसे भविष्य की कल्पना है जहां हर कारीगर की क्षमता का जश्न मनाया जाएगा और उसका पोषण किया जाएगा।

हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले की तीन महिला कारीगरों रितु देवी, कौशल्या देवी और रामकली ने हिमाचल प्रदेश में सशक्तीकरण और लचीलेपन की कहानी बुनी है।राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन और फ्लिपकार्ट समर्थ द्वारा समर्थित उन्होंने वित्तीय आजादी प्राप्त करते हुए ऊनी शिल्प में अपने पारंपरिक कौशल को एक टिकाऊ व्यवसाय मॉडल में बदल दिया।शुरुआत में कुल्लू के छोटे स्थानीय बाजारों तक सीमित, एनयूएलएम और फ्लिपकार्ट समर्थ के साथ उनके सहयोग ने देश भर में बाजार तक पहुंच दी,जिससे उनकी आजीविका में काफी सुधार हुआ।शॉल, टोपी, मफलर, पारंपरिक शीतकालीन परिधान और प्रसिद्ध हिमाचली टोपी जैसे हस्तनिर्मित ऊनी परिधानों में विशेषज्ञता के साथ उनके उत्पाद अब पूरे भारत में ग्राहकों तक पहुंचते हैं।स्थानीय दुकानों से एक विस्तृत ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म में बदलाव ने न केवल उनके व्यवसाय का विस्तार किया है, बल्कि उनकी सामुदायिक प्रतिष्ठा भी बढ़ाई है।

उनकी सफलता ने उनके समुदाय की अधिक महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों में शामिल होने और वित्तीय स्वतंत्रता की दिशा में समान मार्ग अपनाने के लिए प्रेरित किया है।इस विश्व कारीगर दिवस पर हम अपने कारीगर विक्रेताओं के लचीलेपन, रचनात्मकता और सफलता की कहानियों को उजागर करते हैं। फ्लिपकार्ट समर्थ कार्यक्रम के माध्यम से हम भारत के कारीगरों के उल्लेखनीय योगदान को उजागर करते हुए एक समावेशी, न्यायसंगत और समृद्ध पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

भंडारा आमंत्रण

बेबाक़ शर्मा रघुनाथ, जसूर . प्रचण्ड समय. प्रसिद्ध ब्यापरिक कस्बा जसूर का ब्यापार मण्डल रामनवमी के पावन उपलक्ष्य के अवसर पर 20/04/2024 शनिवार को दुर्गा माता मंदिर मेन बाजार जसूर में एक भंडारे का आयोजन करने जा रहा है।

इलाका के सभी श्रदालुओं से अनुरोध है कि इस पावन बेला पर सब भक्तगण परिवार सहित इस प्रीतिभोज प्रसाद में सादर
संलिप्त होकर दुर्गा महामाई का आशीर्वाद व प्रसाद ग्रहण करे।

विश्व शांति सद्भावना यात्रा से स्वदेश लौटने एवं 64वें जन्मोत्सव पर आचार्य लोकेशजी का सर्वधर्म संतों ने अभिनन्दन किया

प्रचण्ड समय . नई दिल्ली

अमेरिका, ब्रिटेन, सिंगापुर आदि देशों की विश्व शांति सद्भावना यात्रा सम्पन्न कर अपने 64वें जन्मोत्सव के दिन पूज्य आचार्य लोकेशजी के स्वदेश लौटने पर अहिंसा विश्व भारती एवं विभिन्न संस्थाओं की ओर से कॉन्स्टीट्युशन कल्ब ऑफ़ इंडिया नई दिल्ली में सद्भावना दिवस समारोह का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न धर्मों व संगठनों के प्रमुख प्रतिनिधियों ने आचार्य लोकेशजी का शानदार स्वागत किया।

विश्व मे धर्म, संस्कृति व देश का गौरव बढ़ाकर स्वदेश लोटने पर पूज्य जैनाचार्य लोकेश जी का सर्व धर्म संतो शाल उढ़ाकर एवं माल्यार्पण कर सम्मान किया |

उल्लेखनीय है कि इस विश्व शांति सद्भावना यात्रा के दौरान आचार्य लोकेशजी को वाशिंगटन में अमेरिकन प्रेसिडेंशियल अवार्ड तथा ब्रिटेन की संसद में वर्ल्ड बुक ऑफ़ रिकाड्र्स तथा सिंगापुर में आयोजित ग्लोबल इकॉनॉमिक कन्वेंशन में लोकमत ग्लोबल ट्राइबलेजर अवार्ड से सम्मानित किया था।यात्रा के दौरान कैलिफ़ोर्निया असेंबली एवं लंदन पार्लियामेंट में भगवान महावीर के 2550वें निर्वाण वर्ष के उपलक्ष में ऐतिहासिक कार्यक्रम आयोजित हुए।सेनफ्रान्सिस्को में उन्होंने इंडो अमेरिकन कम्युनिटी एसोसिएशन के 30वें वार्षिक सम्मेलन को भी मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित किया।

अहिंसा विश्व भारती एवं विश्व शांति केंद्र के संस्थापक आचार्य लोकेशजी ने सद्भावना सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि मैं पिछले 40 वर्षों से मानवतावादी कार्यों के लिए समर्पित रहा हूँ ये सभी सम्मान विश्वास व भरोसे के प्रतीक हैं इन सम्मानों से ज़िम्मेदारी ओर बढ़ गयी है।

हालाँकि संत सम्मान और तिरस्कार से परे होता है वस्तुतः यह सम्मान मेरा नहीं, भारतीय संस्कृति, भगवान महावीर के दर्शन, जैन सिद्धांतों व आध्यात्मिक मूल्यों का है।उन्होंने कहा मैंने कभी सोचा नहीं था कि राजस्थान के सीमांत प्रहरी बाड़मेर ज़िले के छोटे से क़स्बे में जन्म लेकर अमेरिकन प्रेसिडेंशियल अवार्ड से सम्मानित होऊँगा।

जैन आचार्य लोकेश ने घोषणा की कि अहिंसा विश्व भारती फ़ाउंडेशन यूएसए अमेरिका के न्यूजर्सी शहर में 30 एकड़ भूमि में विश्व शांति केंद्र स्थापित करेगा जो कि वैश्विक समस्याओं को सुलझाने में मदद करेगा। इसके लिए उनकी मौजूदगी में भूखण्ड का चयन कर लिया गया है।

इस अवसर पर अखिल भारतीय इमाम संगठन के अध्यक्ष इमाम उमेर अहमद इलियासी, बौद्ध कल्चरल फ़ाउंडेशन इंडिया के चेयरमेन भंते दीपंकर सुमेधो, प्रख्यात हिन्दू धर्माचार्य स्वामी दीपंकर जी महाराज, आचार्य शैलेश जी, संत लोकेश जी, अमेरिका से पधारे स्वामी परमानंद जी, ने एक स्वर में कहा कि आचार्य लोकेशजी ने अपने मानवतावादी कार्यों से विश्व में भारत देश एवं आध्यात्मिक जगत का गौरव बढ़ाया है।अमेरिकन प्रेसिडेंशियल अवार्ड से सम्मानित होना समूचे देश के लिए गौरव का विषय है उन्होंने आचार्य लोकेश के भावी स्वस्थ, समृद्ध व यशस्वी जीवन की कामना की।

इस अवसर पर जैन समाज के वरिष्ठ समाज सेवी श्री सुभाष ओसवाल, श्री मनोज जैन, डॉ डी. सी. जैन, द्वारकापीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य जी के प्रतिनिधि आनंद साहू, पुलिस कमीश्नर शंकर बालन, आंध्रा प्रदेश सरकार के सलाहकार राजन छिबबर, सेन फ्रांसिस्को से पधारे अजय सहगल एवं हेरी वालिया, प्रख्यात पर्वतारोही अनीता कुंडु, प्रख्यात लेखिका वंदना यादव, प्रेम प्रकाश गुप्ता ने अपने विचार व्यक्त किए | कार्यक्रम का संचालन वीर चक्र विजेता कर्नल टी पी त्यागी ने किया| आचार्य लोकेश के 64वें जन्मोत्सव के अवसर पर प्रकाशित “हेल्पिंग भारत” पत्रिका के नवीन अंक का लोकार्पण संतों के कर कमलों से हुआ।प्रख्यात समाजसेविका एवं पत्रिका की एडिटर इन चीफ़ श्रीमती सुमन सुराना ने अपने विचार व्यक्त किए। आभार ज्ञापन तारकेश्वरी मिश्रा एवं केनु अग्रवाल ने किया। कार्यक्रम में उपस्थित विशाल जनसमूह ने आचार्य लोकेश जी उत्साहपूर्वक स्वागत किया, उनको जन्मदिन की शुभकामनायें दी एवं उनकी दीर्घायू की कामना की |

अबकी बार, चार की चार

प्रचण्ड समय . शिमला

लोकसभा चुनाव में हिमाचल प्रदेश की चार सीटों के लिए मुकाबला हो रहा हैं। भाजपा और कांग्रेस की सीधी टक्कर में दोनों दलों का दावा है अब की बार चार की चार। वास्तव में चार की चार सीटें किसकों मिल रही हैं या चार में कितनी-कितनी मिलती हैं, यह निर्णय तो मतदाताओं को ही करना है परंतु भाजपा और कांग्रेस की सीधी टक्कर से हिमाचल प्रदेश में चुनाव दिलचस्प होता जा रहा है। लोकसभा के चुनाव के लिए भाजपा ने मंडी से कंगना रनौत, कांगड़ा से डॉ. राजीव भारद्वाज, हमीरपुर से केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर और शिमला से पूर्व सांसद सुरेश कश्यप को मैदान में उतारा है। कांग्रेस की ओर से मंडी में लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह और शिमला में विधायक विनोद सुल्तानपुरी मैदान में है। कांगड़ा और हमीरपुर के लिए कांग्रेस द्वारा अभी तक प्रत्याशियों का चयन ही नहीं किया जा सका है। कांग्रेस की वर्तमान अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद प्रतिभा सिंह ने स्थितियां अनुकूल न होने तथा कार्यकर्ताओं में निराशा होने के कारण चुनाव लड़ने से मना कर दिया और पार्टी ने उनके बेटे विक्रमादित्य सिंह को चुनाव में उतार दिया। कांग्रेस पार्टी को टिकटों के आवंटन में हुई देरी का नुक़सान तो झेलना पड़ सकता है जबकि भाजपा को चुनाव के लिए अधिक समय मिल पाया है। इधर कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए छः विधायक भाजपा की टिकट पर विधानसभा का चुनाव लड़ रहे हैं। विधायकों को कांग्रेस में रहते हुए राज्यसभा के लिए भाजपा के प्रत्याशी हर्ष महाजन के पक्ष में मतदान करने पर अयोग्य करार दिया गया था। सुख की सरकार बचाने के लिए भाजपा के कुछ विधायकों को निलंबित करना

पड़ा था। ऐसे में विधायक विक्रमादित्य सिंह और विनोद सुल्तानपुरी को संसद का चुनाव लड़ाया जाना जोखिम भरा लगता है। इनकी जीत होने पर दो विधायक कम हो जाएंगे और अगर भाजपा के छह विधायक जीत जाते हैं तो सुख की सरकार को बचाना कठिन हो जाएगा। विक्रमादित्य सिंह और विनोद सुल्तानपुरी यदि चुनाव हार जाते हैं तो उनकी साख भी जरूर गिरेगी और उन्हें अपनी पार्टी के भीतर ही फिर से संघर्ष करना पड़ सकता है। कंगना रनौत और विक्रमादित्य में जुवानी जंग दिलचस्प होती जा रही है। क्योंकि चुनाव के लिए लंबा समय मिला है। इसलिए मुद्दों पर टिके रहना बहुत कठिन रहेगा। इस चुनाव के मुद्दों से हटकर व्यक्तिगत आरोप प्रत्यारोप बढने का अंदेशा है। हालांकि कंगना रनौत राजनीति में नई है परंतु राष्ट्रवाद के लिए उनका समर्पण और स्पष्टवादिता तथा उनका संघर्षशील व्यक्तित्व उन्हें राजनीति में सफल बना सकता है।

कंगना रनौत 'अबकी बार चार की चार' का नारा बुलंद करके नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने तथा विकसित भारत के लिए वोट मांग रही है जबकि विक्रमादित्य सिंह एक दमदार प्रत्याशी के रूप में हिंदुत्व की दुहाई देते हुए युवाओं को आकर्षित करने में लगे हैं। कांग्रेस द्वारा कंगना को बाहरी बताना और उससे पिछले कार्यकाल का हिसाब मांगना मतदाताओं की समझ से परे हैं। मामला व्यक्तिगत खानपान तक पहुंच गया है। परंतु यह जरूर ध्यान रखा जाना चाहिए कि जब हम किसी पर एक उंगली करते हैं तो तीन उंगलियां अपनी तरफ भी इशारा कर रही होती हैं, नतीजा कुछ भी हो मामला दिलचस्प होने वाला है।

अभी तक सभी चुनावी सर्वेक्षण यही बता रहे हैं कि नरेन्द्र मोदी तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं और बिखरा हुआ विपक्ष उनके मुकाबले में काफी पिछड़ता जा रहा है। यह चुनाव सीधा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर केंद्रित हो गया है जबकि विपक्ष के पास कोई एक सर्वमान्य चेहरा नहीं है। ऐसे में अगर हिमाचल में बीजेपी चारों सीट जीत जाती है तो नरेंद्र मोदी की सरकार में हिमाचल का भी प्रतिनिधित्व हो सकेगा और अगर नहीं जीत पाती है तो केंद्र सरकार में उसका योगदान कम होने की संभावना रहेगी। केंद्र में भाजपा की सरकार बनने पर और कांग्रेस को जीतने के बाद भी विपक्ष में बैठकर ही संतोष करना होगा जबकी कांग्रेस की सरकार बनने पर हिमाचल को कोई खास प्रतिनिधित्व मिलेगा ऐसी कहना जल्दबाजी होगी। इन परिस्थितियों में निर्णय देश के जागरूक मतदाताओं को करना है कि वह केंद्र में किसे प्रधानमंत्री चुनना चाहते हैं, क्योंकि फैसला चुनाव के नतीजे के बाद ही सामने आएगा।

हितेन्द्र शर्मा
लेखक एवं पत्रकार
शिमला, हि.प्र.

हरियाणा की सात लोकसभा सीटो पर किसान आंदोलन का असर

राजेंद्र सिंह जादौन . चंडीगढ़

हरियाणा में लोकसभा की सात सीटों पर किसान आंदोलन का असर दिख रहा है। भाजपा-जजपा नेताओं का किसान संगठन खुलकर विरोध कर रहे हैं। भाजपा का सर्वे और खुफिया एजेंसी भी इस बात की पुष्टि कर रही हैं कि हरियाणा में अभी किसान आंदोलन का असर बरकरार है।

हिसार, सिरसा, रोहतक, सोनीपत, कुरुक्षेत्र, करनाल और अंबाला संसदीय क्षेत्रों में किसान भाजपा और जेजेपी का विरोध कर रहे है। हिसार और सिरसा में किसान संगठन भाजपा और जेजेपी नेताओं का विरोध कर रहे हैं। अन्य पांच सीटों पर भी अंदर खाते दोनों पार्टियों के प्रत्याशियों को किसानों का रोष झेलना पड़ सकता है। किसान आंदोलन को लेकर अभी आम किसान शांत हैं और समय आने पर अपने पत्ते खोलेंगे।

खुफिया विभाग की एक रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण हरियाणा की सीटों पर किसान आंदोलन का असर कम है। इनमें गुरुग्राम, फरीदाबाद और भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा सीटें आती हैं। इनमें से भिवानी के क्षेत्र में कुछ असर है। 2020-21 में किसान आंदोलन में यहां के किसानों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया था, लेकिन यहां पर भारतीय किसान यूनियन का मजबूत संगठन नहीं होने के चलते अब किसान आंदोलन का इतना असर नहीं है। आंदोलन के समय मुख्य रूप से हरियाणा के जींद, कैथल, कुरुक्षेत्र, रोहतक, झज्जर, हिसार, सिरसा, सोनीपत, करनाल, अंबाला और पानीपत जिले सबसे अधिक प्रभावित हुए थे।

अब लोकसभा चुनाव में विपक्षी दल किसान आंदोलन को मुद्दा बना रहे हैं और किसानों को साधने की कोशिश कर रहे हैं। खासकर कांग्रेस और इनेलो इस मुद्दे को लेकर मुखर हैं। किसानों के प्रति अच्छा संदेश देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झज्जर के गांव सिलानी के रहने वाले किसान रामवीर चाहर को संकल्प पत्र की पहली प्रति सौंपी थी।

भारतीय किसान यूनियन और संयुक्त किसान मोर्चा पहले ही भाजपा और जेजेपी के विरोध का एलान कर चुके हैं। अब किसान किस पार्टी का साथ देंगे, इस संबंध में फैसला होना शेष है।

न्यूज ब्रीफ..

भाजपा ने अपने कार्यकाल में कर्मचारियों की किसी भी मांग को पूरा नही किया: प्रतिभा सिंह

शिमला . प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद प्रतिभा सिंह ने कहा है कि भाजपा जितना भी दुष्प्रचार कर ले उसे इसका कोई भी राजनैतिक लाभ मिलने वाला नही। उन्होंने भाजपा को याद दिलाया है कि जब कर्मचारी ओपीएस की मांग को लेकर सड़को में थे तो उस समय उनके मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने उन्हें पेंशन लेने के लिये चुनाव लड़ने को ललकारा था। उन्होंने कहा कि भाजपा ने अपने कार्यकाल में कर्मचारियों की किसी भी मांग को पूरा नही किया। उन्होंने कहा कि भाजपा के कार्यकाल में कर्मचारियों के दय भते भी नही दिए गए। प्रदेश सरकार पर 70 हजार करोड़ से अधिक का कर्ज व 12 हजार करोड़ से अधिक की कर्मचारियों की देनदारियां प्रदेश सरकार को भाजपा से विरासत में मिली है।

प्रचण्ड समय

प्रतिभा सिंह ने कहा है कि भाजपा प्रदेश की महिलाओं को 1500 रुपए देने की कांग्रेस की गारंटी का विरोध कर रही है। उन्होंने कहा है कि चुनाव आयोग ने भी लाहौल स्पीति की महिलाओं को 1500 की सम्मान निधि जारी रखने को अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार प्रदेश की सभी पात्र महिलाओं को यह राशि प्रदान करने को पूरी तरह बचनबद्ध है।

प्रतिभा सिंह ने कहा है कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार लोगों से किये अपने सभी वादों को पूरा करेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा ने जिस प्रकार प्रदेश सरकार को अस्थिर करने की असफल कोशिश की अब उसे प्रदेश में लोकसभा की चारों व विधानसभा की छह सीटों पर करारी हार का मुंह देखना पड़ेगा।

प्रतिभा सिंह ने कहा है कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार पूरी तरह सुरक्षित है और चुनाव परिणामों के बाद ओर भी मजबूत होगी।

'वोटर हेल्पलाइन ऐप' से डिजिटल वोटर स्लिप कर सकते हैं डाउनलोडः डीसी

धर्मशाला . उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी हेमराज बैरवा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के 'वोटर हेल्पलाइन ऐप' से पात्र मतदाता अपनी डिजिटल फोटो वोटर स्लिप भी डाउनलोड कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि वोटर हेल्पलाइन ऐप आम मतदाताओं के लिए काफी मददगार साबित हो सकता है। उन्होंने बताया कि वोटर हेल्पलाइन ऐप में आम मतदाताओं के लिए कई सुविधाजनक फीचर्स उपलब्ध करवाए गए हैं।

उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में अपना नाम ढूंढना, मतदाता सूची में नाम दर्ज करवाना, मतदाता के विवरण को दुरुस्त करवाना और मतदाता पहचान पत्र को आधार नंबर या मोबाइल नंबर से लिंक करवाना जैसे महत्वपूर्ण कार्य इस ऐप के माध्यम से घर बैठे ही करवाए जा सकते हैं।

प्रचण्ड समय

इसके अलावा उम्मीदवारों का विवरण, निर्वाचन प्रक्रिया, चुनाव परिणाम और ईवीएम से संबंधित कई जानकारियां भी इसी ऐप के माध्यम से प्राप्त की जा सकती हैं। निर्वाचन संबंधी शिकायत भी इस ऐप से की जा सकती है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि वोटर हेल्पलाइन ऐप गूगल प्ले स्टोर और एप्पल ऐप स्टोर से फ्री में डाउनलोड किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि इस ऐप में पुख्ता प्राइवेसी फीचर्स मौजूद हैं और यह यूजर्स की किसी भी प्रकार की जानकारी स्टोर नहीं करता है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय मतदाता सेवा पोर्टल एनवीएसपी और वोटर हेल्पलाइन ऐप पर भी ऑनलाइन पंजीकरण करवाया जा सकता है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी छूटे लोगों से अपील की है कि वे 4 मई से पहले अपने नाम मतदाता सूचियों दर्ज करवाना सुनिश्चित करें, ताकि वे आगामी लोकसभा चुनाव और विधानसभा उपचुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें।

लोकसभा चुनाव को लेकर मतदान कर्मियों की पहली रेंडमाइज़ेशन का आयोजन

प्रचण्ड समय . शिमला

लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त शिमला अनुपम कश्यप की उपस्थिति में मतदान कर्मियों की पहली रेंडमाइजेशन आज यहाँ उपायुक्त कार्यालय के एनआईसी कक्ष में की गई।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जिला के कुल 1058 मतदान केंद्रों में तैनात किये जाने वाले पीआरओ, एपीआरओ और पीओ के लिए 7231 कर्मियों के डाटा की पहली रेंडमाइजेशन में कर्मियों के डाटा को मिक्स करने के बाद शॉर्टलिस्ट किया गया और अंत में उसे लॉक कर दिया गया। इसके पश्चात कर्मियों की चुनाव ड्यूटी कहाँ लगी है और कहाँ उनकी रिहर्सल होनी है, इस सम्बन्ध में आदेश जारी किये जा रहे हैं। उन्होंने सभी विभागाध्यक्षों से उनके नियंत्रण में कार्य कर रहे कर्मियों को उनके चुनाव ड्यूटी आर्डर जल्द से जल्द उपलब्ध करवाने तथा सभी कर्मियों को आदेशानुसार अपने चुनाव ड्यूटी आदेश प्राप्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि चुनाव कर्मियों के लिए विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में 24 अप्रैल 2024 से रिहर्सल आरम्भ हो रही हैं जिसके अनुसार जुब्बल-कोटखाई विधानसभा क्षेत्र में पहली रिहर्सल 24 अप्रैल को ठाकुर राम लाल राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला जुब्बल में होगी और शिमला ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में पहली रिहर्सल 25 अप्रैल को राजकीय डिग्री कॉलेज संजौली के सभागार में दो बैच में होगी। इसी प्रकार, चौपाल विधानसभा क्षेत्र में पहली रिहर्सल 26 अप्रैल को तहसील ग्राउंड चौपाल तथा ठियोग विधानसभा क्षेत्र में 28 अप्रैल को राजकीय आईटीआई ग्राउंड ठियोग स्थित जैस में होगी। कसुम्पटी विधानसभा क्षेत्र में 26 अप्रैल को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला छोटा शिमला के सभागार में और शिमला विधानसभा क्षेत्र में 25 अप्रैल को राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला पोर्टमोर में होगी।

इसी प्रकार, रामपुर विधानसभा क्षेत्र में पहली रिहर्सल 26 अप्रैल को राजकीय डिग्री कॉलेज रामपुर के सभागार में और रोहड़ू विधानसभा क्षेत्र में 28 अप्रैल को पीजी कॉलेज, सीमा, रोहड़ू के सभागार में होगी। उन्होंने बताया कि दूसरी रेंडमाइजेशन 16 मई 2024 को होगी जिसमें पोलिंग पार्टियों का गठन होगा।

इस दौरान अतिरिक्त उपायुक्त अभिषेक वर्मा, अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी (प्रोटोकॉल) ज्योति राणा, अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी (कानून एवं व्यवस्था) अजित भारद्वाज, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी पंकज, जिला राजस्व अधिकारी संजीत शर्मा, नायब तहसीलदार किशोर ठाकुर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

फैटी लीवर डिजीज का मुख्यकारण लाइफस्टाइल डिसऑर्डरः डॉ. अरुणांशु बेहरा

राजेंद्र सिंह जादौन . चंडीगढ़

"दुनिया भर में हर साल वायरल हेपेटाइटिस के कारण लगभग 1.3 मिलियन मौतें होती हैं। भारत में 40 मिलियन लोग हेपेटाइटिस बी से और लगभग 12 मिलियन लोग हेपेटाइटिस सी से संक्रमित हैं। हेपेटाइटिस-बी, हेपेटाइटिस-सी, अत्यधिक शराब का सेवन और नॉन-अल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज भारत में लिवर डैमेज के प्रमुख कारण हैं।"

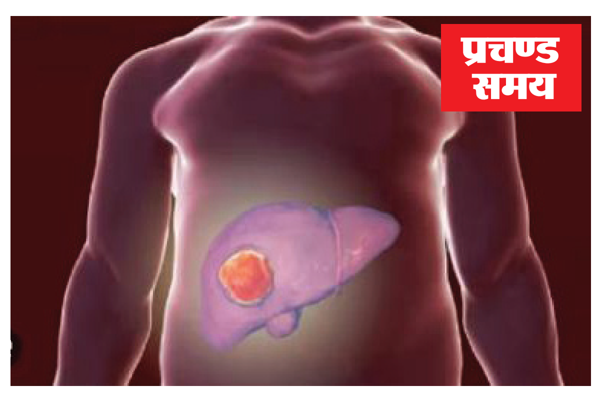

वर्ल्ड लिवर डे की पूर्व संध्या पर गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मीडिया से बात करते हुए आईवीवाई अस्पताल, मोहाली में डायरेक्टर जनरल सर्जरी, जीआई सर्जन, एचबीपी और लिवर ट्रांसप्लांट डॉ अरुणांशु बेहरा ने बताया कि लिवर सिरोसिस के इलाज में एक बड़ा बदलाव आया है और भारत में हर साल लगभग 10 लाख नए रोगियों का इलाज किया जाता है। एक बार जब किसी मरीज को सिरोसिस का पता चल जाता है, तो डैमेज के पलटने की संभावना बहुत कम होती है।

डॉ. बेहरा ने बताया कि आईवीवाई अस्पताल, मोहाली में डेडिकेटेड लिवर आईसीयू बेड हैं और लिवर रिसेक्शन, लोबेक्टोमी, टीएसीई, आरएफ एब्लेशन आदि सहित सभी प्रकार की लिवर सर्जरी उपलब्ध है। जल्द ही आईवीवाई अस्पताल, मोहाली लिवर ट्रांसप्लांट सर्जरी भी शुरू करने जा रहा है।

कंसल्टेंट गैस्ट्रोएंटरोलॉजी डॉ सुमित कैंथ ने कहा, "वायरल हेपेटाइटिस एक संक्रामक डिजीज है जो हेपेटाइटिस वायरस ए, बी, सी, डी और ई के कारण होता है। समय के साथ, स्थिति लिवर फाइब्रोसिस (घाव), सिरोसिस या लिवर कैंसर में बदल सकती है। पांच मुख्य हेपेटाइटिस वायरस हैं, जिन्हें प्रकार ए, बी, सी, डी और ई कहा जाता है। विशेष रूप से, प्रकार बी और सी दुनिया भर में लाखों लोगों में पुरानी बीमारी का कारण बनते हैं और साथ में, लीवर सिरोसिस और कैंसर का सबसे आम कारण हैं। हेपेटाइटिस ए और ई आमतौर पर दूषित भोजन और पानी के सेवन के कारण होता है। हेपेटाइटिस बी, सी और डी आमतौर पर कॉन्टैमिनेटेड संक्रमित ब्लड और बॉडी फ्लूइड के संपर्क से होता है।

सीनियर कंसल्टेंट जनरल और लेप्रोस्कोपिक सर्जरी डॉ श्रीनाथ राठौड़ ने बताया कि 80फीसदी से अधिक मधुमेह रोगियों में स्वस्थ वसा की तुलना में अधिक वसा होती है, और इससे नॉन अल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज का विकास हो सकता है। मधुमेह और फैटी लीवर का एक साथ होना घातक है लेकिन जीवन शैली में संशोधन करके फैटी लीवर डिजीज को रोका जा सकता है।

एसोसिएट कंसलटेंट जीआई सर्जरी डॉ दिविज जयंत ने बताया कि भारत में अल्कोहलिक लीवर डिजीज की उम्र कम हो रही है और यह ज्यादातर 30 से 40 वर्ष की आयु से कम होती है, जबकि पश्चिमी दुनिया में इस बीमारी की औसत आयु 45 से 55 वर्ष हो गई है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन आज जयपुर दौरे पर रही

प्रचण्ड समय . शिमला

जयपुर में उन्होंने प्रेस वार्ता कर कांग्रेस को आड़े हाथों लिया और मोदी सरकार की उपलब्धियों को गिनाया ।

इसके साथ ही विश्वास जताया कि मोदी सरकार तीसरी बार सरकार बनाने जा रही है इससे पहले वे बिड़ला ऑडिटोरियम में प्रोफ़ेशनल्स से भी रूबरू हुई

इस दौरान एडवोकेट ललित शर्मा ने निर्मला सीतारमन से मुलाक़ात की।

एसडीएम अर्की यादविन्द्र पाल की अध्यक्षता में स्वीप टीम अर्की ने लगाया मतदाता जागरूकता शिविर

प्रचण्ड समय . सोलन

लोकसभा आम चुनाव-2024 के दृष्टिगत आज सहायक रिटर्निंग अधिकारी एवं उपमण्डलाधिकारी (ना.) अर्की यादविन्द्र पाल की अध्यक्षता में विधानसभा क्षेत्र की सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचन सहभागिता (स्वीप) टीम ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला (बाल) अर्की में मतदाता जागरूकता अभियान चलाया।

यादविन्द्र पाल ने इस अवसर पर कहा कि अर्की विधानसभा क्षेत्र के सभी मतदाताओं को लोकतंत्र के पर्व में अपने मत का प्रयोग अवश्य करना चाहिए। उन्होंने भारतीय चुनाव आयोग द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाएं जैसे मतदाताओं के पंजीकरण की प्रक्रिया, आम मतदाता, दिव्यांगजनों और 85 वर्ष से अधिक के आयु के मतदाताओं को पोलिंग बूथ पर दी जाने वाली विशेष सुविधाओं इत्यादि विषयों पर जानकारी दी।

प्रचण्ड समय

स्वीप टीम के प्रभारी प्रो. यशपाल शर्मा ने अर्की विधानसभा क्षेत्र के सभी मतदाताओं से आने वाले लोकसभा चुनाव में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि मतदान केवल अधिकार नहीं यह हर एक मतदाता का कर्तव्य भी है।

निर्वाचन कानूनगो कुलदीप मेहता ने इस अवसर पर ऑनलाइन और ऑफलाइन तरीके से मतदाता पंजीकरण की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने वोटिंग हेल्पलाइन पोर्टल, सी.विजिल और सक्षम पोर्टल के माध्यम से दी जाने वाली सुविधाओं की भी चर्चा की।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य राजकुमार गौतम, शिक्षक और गैर शैक्षिक वर्ग के कर्मचारी तथा स्वीप टीम के सदस्य डॉ. हेमराज सूर्य, प्रो. योगेश कुमार व विद्यार्थी उपस्थित थे।

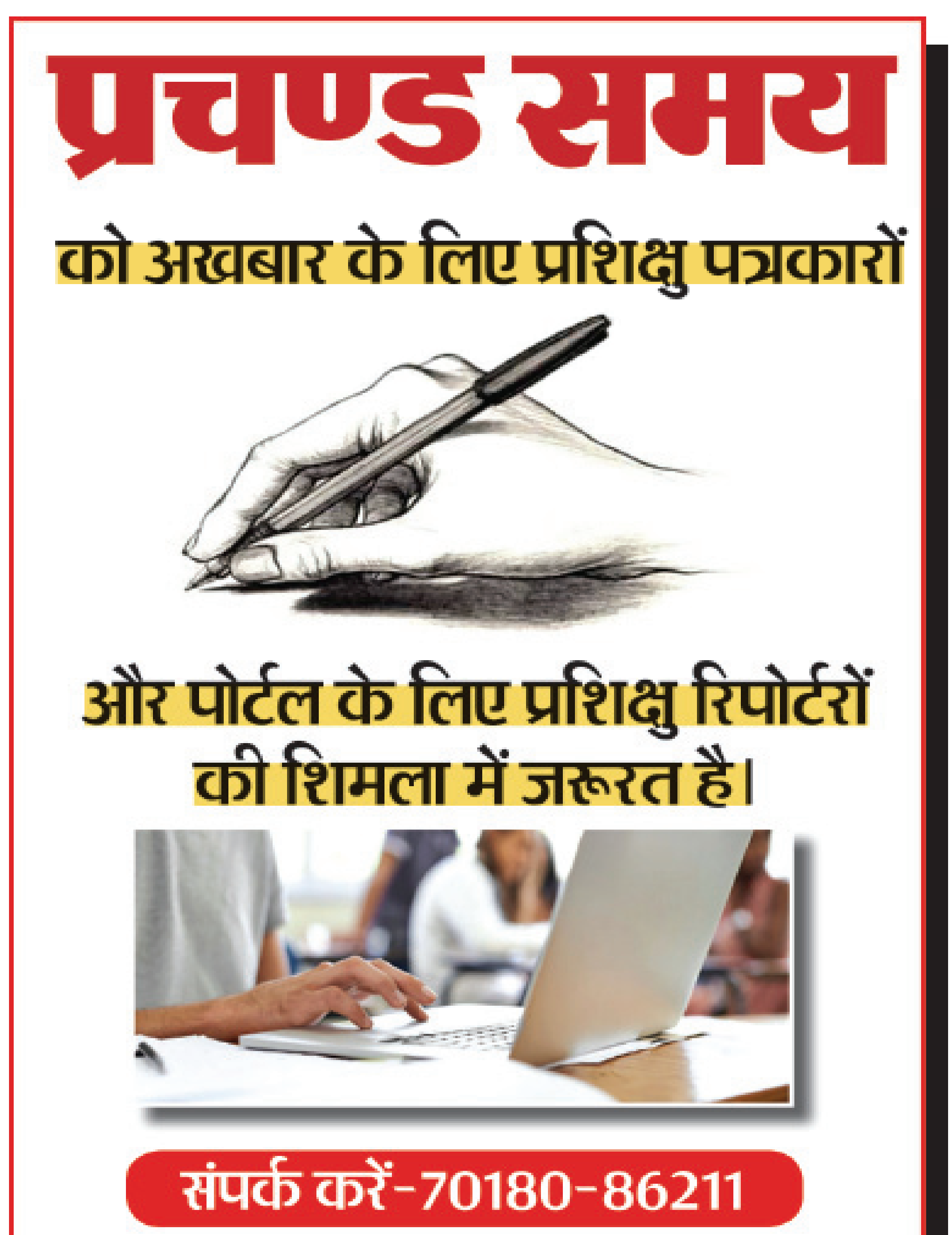

मीडिया वार रुम बन गये है राजनीतिक पार्टियों और उम्मीदवारों के लिए एक बड़ी चुनौती इस चुनाव 2024 में : मीडिया विशेषज्ञ डॉ. के के रत्तू का चुनाव विश्लेषण

चुनाव 2024

प्रो.(डॉ) कृष्ण कुमार रतू

हिंदी पंजाबी के सुपरिचित लेखक एवं मीडिया विशेषज्ञ

चुनाव2024 के बारे में नई तकनीक की विशेषज्ञता एवं बदलते नेरेटिव पर बात करते हुए मीडिया विशेषज्ञ प्रो. डॉ. कृष्ण कुमार रत्तू

पहले बार रूम सिर्फ युद्ध लड़ने के लिए और जीतने के लिए ही तय किए जाते थे ।

एक विशेष स्थान पर पूरी घेराबंदी तथा पूरी स्ट्रेटजी तय की जाती थी परंतु अब यह पैटर्न बदल गया है । यह कहना है मीडिया विशेषज्ञ तथा मीडिया की चर्चित शख्सियत डॉ कृष्ण कुमार रत्तू का जिन्होंने चुनाव 2024 के बारे में अपने सर्वेक्षण में यह बताया है कि इस वक्त जितना सूचना तकनीक का प्रयोग तथा उपयोग हो रहा है । वह अद्भुत तथा चौंकाने वाला है।

डा कृष्ण कुमार रत्तू के अनुसार वह विभिन्न तरीकों से डीप फेक तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के द्वारा आने वाले दिनों में कई गुना और बढ़ सकता है तथा सीधे वोटर को विशेष कर युवा वोटरों को प्रभावित कर सकता है ,हालांकि उनके अनुसार बड़ी उम्र के वोटरों की भी इसमें दिलचस्पी बनी हुई है परंतु सच यह है कि यह अब पूरी दुनिया को निभा रहा है और भारत जैसे देश में इसका प्रभाव अब सीधा जाने देखा जा रहा है ।

डॉक्टर रत्तू ने अपने इस मीडिया विश्लेषण में यह भी बताया है कि किस तरह से यह हर उम्र के लोगों को अब वोटर के साथ सीधा कनेक्ट करने तथा राजनीतिक दलों को अपनी स्थिति को साफ तथा वोटरों तक पहुंचने में अपना योग अदा कर रहा है।

अब यह चुनाव मीडिया से मानसिक तथा मनोविज्ञान में तौर पर तकनीक के जरिए लड़े जा रहे हैं और यह दुनिया का सबसे बड़ा खतरा है।

उनका यह भी मानना है कि इस बड़े खतरे से आगे आपको बड़ा ख़तरा चुनाव 2024 में भी सामने आया है ।

दुनिया भर के पिछले एक दशक के चुनाव में जिस तरह से मीडिया तक नहीं तथा सूचना प्रौद्योगी के संप्रेषण ने चुनाव को प्रभावित किया है तथा जिस तरह से सूचना प्रसारण मध्य इन चावन में सूचना प्रसारण के साथ-साथ संदेशों के आदान- प्रदान तथा मतदान को प्रभावित करने के लिए एक शक्तिशाली औजार अर्थतपुर के रूप में माने जा रहे हैं परंतु यह सच है कि आज दुनिया में प्रचार प्रसार का सबसे बड़ा केंद्र यदि है तो वह मीडिया वाररूम है ।

इन दिनों में जो पूरी दुनिया में इस तरह से बनाए जाते हैं कि विरोधी राजनीतिक दलों और विरोधी उम्मीदवारों की धज्जियां उड़ा दी जाए।

इस समय उनके बारे में जो अच्छा बुरा वह कह सकते हैं वह कह दे । उनकी राजनीतिक कुंडली के साथ-साथ उनकी निजी कुंडली भी इन सूचना प्रसारण तकनीक के द्वारा खूब अप शब्दों में प्रस्तुत की जाती है । यह एक दशक से पूरी दुनिया में है क्योंकि आज मीडिया की पहुंच इतनी शक्तिशाली विशेष कर सोशल मीडिया अर्थात डिजिटल मीडिया के आने कारण यह इतनी भयावह बहुत तेज गति से आगे बड़ी है कि इसका कोई मुकाबला ही नहीं है।

इन दिनों और यह अद्भुत चुनाव है पिछले 55 वर्षों से मीडिया के क्षेत्र में काम करने वाले मीडिया विशेषज्ञ तथा देश की चर्चित शख्सियत डॉक्टर कृष्ण कुमार रत्तू का मानना है कि यदि इस तरह से यह मीडिया का वाररूम इलेक्शंस को अर्थात चुनाव को प्रभावित करता रहा तो वह दिन दूर नहीं है जब इस पर राजनीतिक दलों की तथा रचनात्मक पहलुओं से उन अच्छे उम्मीदवारों की राजनीति एवं उनका किया कराया कार्य भी इसकी भेंट चढ़ सकता क्योंकि इस मीडिया की पहुंच के कारण आप जो कुछ चाहे वह कर सकते हैं ।

इन दिनों यह तकनीक का कमाल है इन दोनों डॉक्टर रातों के अनुसार दीप फेक एवं ओटीटी प्लेटफॉर्म से जिस तरह से सूचना प्रसारण का आदान-प्रदान हो रहा है वह उम्मीदवार तथा राजनीतिक दलों के लिए एक चुनौती बन गया है और इस नीति को समझने के लिए आज इस चुनाव 2024 में भारत में भी सभी राजनीतिक पार्टियों ने अपने-आपने मीडिया वाररूम बना दिए हैं ।

जिसमें इन मीडिया विशेषज्ञों का योगदान तो है यह परंतु कंटेंट को मैनेज करने वाले तथा राजनीतिक दलों के नए नेरेटिव को प्रस्तुत करने वाले विशेषज्ञों की भी कोई कमी नहीं है।

प्रचण्ड समय

आज यह मीडिया वालों में इस तरह से काम कर रहे हैं जैसे चुनाव नहीं है यह लोकतंत्र का कोई युद्ध लड़ा जा रहा हो।

यह तकनीक का कमाल है और जो आने वाले चुनाव में और भी आगे बढ़ जाएगा ।

डॉक्टर रत्तू अपने विश्लेषण और सर्वेक्षण में यह भी बताया है कि अब इस तरह की संभावना पैदा हो गई है कि आने वाले दिनों में सूचना प्रसारण तथा बड़ी रैलियां तथा रोड शो के कारण होने वाले खर्चे में कटौती का सारे का सारा पैसा इन सोशल मीडिया पर खर्च जाएगा क्योंकि यह छोटे से मोबाइल के कारण आपके घर परिवार तथा उसे नई युवा पीढ़ी तक पहुंच सकता है ।

जिसकी आबादी का गणित अब पूरे का पूरा 40 करोड़ लोगों की 19 वर्ष की आबादी के ऊपर निश्चित हो गया है जो लगभग युवा और नए वोटर है। इस चुनाव 2024 में इन युवा वोटरों पर ही पूरी की पूरी प्रक्रिया चल रही है तथा बहुत सी स्थानीय आंचलिक पार्टियों ने भी इस वार रूम बनाकर हमला करना शुरू कर दिया है अर्थात अपनी पहुंच बनानी शुरू कर दिया है ।

यह एक अद्भुत प्रयोग है । डॉक्टर रत्तू जिन्होंने पिछले चुनाव में भी अपने विश्लेषण के आधार पर यह तय किया था की भाषा की अभद्रता तथा भाषा में अश्लीलता तथा बेलाग जुबान वोटरों को प्रभावित करती है।

चुनाव 2024 में यह एक अद्भुत प्रयोग है और जो सूचना तकनीक से लड़ा जा रहा युद्ध है। वार रूम से फोन के साथ- साथ फेसबुक लाइव तथा अन्य माध्यमों से भी कनेक्ट किया जाता है कि वह किसको वोट देंगे तथा किसको ना दे इस तरह

से चुनाव प्रचार पर पार्टियों भी काम कर रही है और यह अद्भुत है ।

डॉ रत्तू का मानना है कि आने वाले दिनों में यदि इसी तरह से जो प्रचार प्रसार चला रहा तो रेवेन्यू अर्थात चुनाव खर्च का एक बड़ा हिस्सा इस पर भी खर्च होगा ।

वह यह भी मानते हैं कि इस पर बात करते हुए लोगों को तकनीक के विशेषज्ञों को रोजगार तो मिलेगा इसके साथ-साथ परियों की सीधी पहुंच उसे उपभोक्ता था तो उसे वाटर तक पहुंच जाएगी जो अभी भारत की राजनीति से जनता उम्मीदवारों के बारे में जानता ही नहीं था।

यह एक अद्भुत प्रयोग है जो अगले सालों में एक मित्र नहीं एक ऐतिहासिक प्रतिशील सूचना का संवाहक हो जाएगा।

यह खतरनाक भी हो सकता है ।

आईए देखते हैं इस साल इस तरह की किस तरह की संभावना है परंतु यह तकनीक का कमाल है तथा वार रूम की अब असल में युद्ध की जगह पर चुनाव को लगाते हैं भारतीय संसदीय चुनाव में चुनाव खर्च का एक बड़ा प्रयोग तथा रेवेन्यू अब इस खाते में जाने वाला है और यह प्रयोग यदि सफल रहता है तो आने वाले चुनाव में मुझे भारतीय चुनावों को प्रभावित कर सकता है क्योंकि युवा वोटो पर ही अब नई तकनीक इस तरह का इस्तेमाल हो रहा है कि वह किन राजनीतिक दलों को इस तरह के इनफ्लुएंसर अर्थात प्रभाव में आकर अपना वोट मतदान करते हैं और यह वोट भारतीय चुनाव इलेक्शन कमीशन के लिए भी भारतीय परंपरा के अनुसार वोटरों को प्रचार प्रसार के लिए एक नया प्रयोग साबित हो सकता है ।

इन दिनों जिस में तेज़ सूचना का संप्रेषण बेहद शक्तिशाली पहुंच का शक्तिशाली टूल माना जा रहा है और यह आने वाले समय में और भी तेजी से शक्तिशाली इनफ्लुएंसर मीडिया हो जाएगा।

इस लेख के लेखक प्रसिद्ध साहित्यकार एवं मीडिया विशेषज्ञ हैं उन्हें इस लेख पर आप अपनी प्रतिक्रिया 94787 30156 पर दे सकते हैं

पाकिस्तान में एक थाने पर हमले के बाद फ़ौज से इतना नाराज़ क्यों हैं पुलिसवाले?

"हमें थाने में नंगा कर हमारे साथ मारपीट की गई। हमें ज़लील किया गया। इसके जवाब में आईजी साहब ने अपने वीडियो संदेश में पुलिस पर किए गए अहसानों को गिनवाया। कितना अच्छा होता कि वह इस घटना के बाद अपनी पुलिस फ़ोर्स के साथ खड़े होते।"

"मेरे साथ ही कोई भी यहां ड्यूटी नहीं करना चाहता। इतनी मार खाते देखकर और ज़िल्लत के बाद तो जनता में भी पुलिस का डर बाक़ी नहीं रहा होगा। हमारे नेतृत्व ने हमें बहुत निराश किया है।"

ये बातें उन पुलिस अधिकारियों में से एक ने कही हैं, जिन्हें ज़िला बहावलनगर के 'थाना डिवीज़न ए' में पाकिस्तानी सेना के अधिकारियों की ओर से कथित तौर पर हिंसा का निशाना बनाया गया।

पंजाब के शहर बहावलनगर में एक थाने पर फ़ौजियों के धावा बोलने और वहां पुलिस अधिकारियों से मारपीट की घटना हुए एक हफ़्ता होने को है। मगर इसकी गूंज अभी तक पाकिस्तानी मीडिया और सोशल मीडिया पर सुनाई दे रही है।

नाम उजागर ना करने की शर्त पर बीबीसी से पंजाब पुलिस के कई जवानों और अधिकारियों ने बात की है।

इन अधिकारियों के अनुसार बहावलनगर घटना ने पुलिस फ़ोर्स के मनोबल को काफ़ी प्रभावित किया है।

ईद के दिन सोशल मीडिया पर कई ऐसे वीडियोज़ शेयर किए गए, जिनमें वर्दी पहने सेना के अधिकारियों को थाने में पुलिस अधिकारियों को पीटते हुए देखा गया था।

प्रचण्ड समय

इस घटना के दो दिन बाद पाकिस्तानी सेना के जनसंपर्क विभाग 'आईएसपीआर', पंजाब सरकार और पंजाब पुलिस की ओर से इस घटना की 'पारदर्शी और संयुक्त जांच' की बात कही गई।

कहा गया कि जांच के ज़रिए सच्चाई सामने लाने की कोशिश होगी ताकि क़ानून का उल्लंघन और अधिकारों का ग़लत इस्तेमाल करने वालों की पहचान की जा सके। इस काम के लिए जॉइंट इन्वेस्टिगेशन टीम भी बनाई गई।

इस मामले पर गृह मंत्री मोहसिन नक़वी ने सोमवार को लाहौर में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एक बार फिर कहा, "यह कोई बड़ी समस्या नहीं है। कुछ लोग इस मामले को उछाल रहे हैं।" पुलिस के मनोबल के बारे में उन्होंने कहा कि एक घटना से 'मोराल डाउन' नहीं होता और पुलिस के हौसले बुलंद हैं।

उन्होंने दावा किया कि भारत में बिल्कुल इसी तरह की घटना हुई थी मगर वहां प्रतिक्रिया ऐसी नहीं थी जैसी यहां देखी गई।

पुलिस का मनोबल गिरने और पुलिस अधिकारियों की दूसरी आशंकाओं के बारे में जब बीबीसी ने आईजी पंजाब डॉक्टर उस्मान अनवर से संपर्क किया तो उन्होंने कहा, "जेआईटी बना दी गई है लेकिन मैं दूसरे सवालों और बातों पर कोई राय नहीं देना चाहता हूं।"

'किसकी हिम्मत है कि फ़ौज को कसूरवार कहे'

सुलह, स्पष्टीकरण और जेआईटी के गठन के बावजूद अभी तक इस मामले पर बहुत से लोग आशंका जता रहे हैं।

इनमें आम लोगों के साथ-साथ पुलिस अधिकारियों और जवानों की बड़ी संख्या शामिल है। कई पुलिस अधिकारियों ने यह दावा भी किया कि बहावलनगर पुलिस उस घटना के विरोध में ड्यूटी करने को तैयार नहीं थी।

नाम छिपाने की शर्त पर बीबीसी से एक पुलिस अधिकारी ने कहा, "बहावलनगर घटना ने पुलिस को कमज़ोर किया है। इससे भी अधिक नुक़सान पुलिस को आईजी साहब के वीडियो मैसेज से हुआ है। हम जानते हैं कि फ़ौज को अपनी ताक़त दिखाना अच्छा लगता है लेकिन इसका यह मतलब तो नहीं कि वह देश की दूसरी संस्थाओं का सम्मान ना करे। क़ानून तो सबके लिए बराबर है।"

उन्होंने कहा, "मैं जिस पद पर हूं, मुझे इतनी शर्मिंदगी महसूस हो रही है कि मैं कैसे अपने जूनियर को उत्साह से काम करने के लिए कहूं। इसमें कोई शक नहीं कि इस घटना के बाद पुलिस में बेचैनी, ग़ुस्सा और अविश्वास की स्थिति है। इन हालात को उच्च स्तर पर नज़रअंदाज़ करने की कोशिश की जा रही है।"

एक और अधिकारी ने पुलिस के मनोबल के बारे में कहा कि 'सब अच्छा है, हम भाई-भाई हैं' का राग सुनाने से सब ठीक नहीं हो जाएगा। "नारे तो लगवा दिए थे लेकिन आईजी साहब को चाहिए था कि अपनी फ़ोर्स के लिए डटकर खड़े होते। अगर वह ऐसा करते तो सारी पुलिस फ़ोर्स उनके पीछे खड़ी होती।"

इस बारे में एक एसएचओ का कहना था, "हमें यह बताया गया है कि हमारी क्या हैसियत है। पिछले एक साल से यही फ़ौज और पुलिस मिलकर काम कर रहे थे। जब पुलिस की ज़रूरत कम हो गई तो फ़ौज ने कहा कि हमें याद करवा दें कि इस देश में वो जो चाहें।।। कर सकते हैं।"

उन्होंने यह दावा भी किया कि जो जेआईटी बनाई गई है उसकी जांच में दोषी पुलिस ही निकलेगी। "किसकी हिम्मत है कि कोई फ़ौज को कसूरवार कहे, चाहे वह हमारे आईजी ही क्यों न हों।"

बीबीसी से एक बड़े अधिकारी का कहना था कि डॉक्टर उस्मान (आईजी) ने पुलिस फ़ोर्स के लिए बहुत काम किए हैं, इसलिए उनसे यह उम्मीद नहीं थी कि वह ऐसे मामले पर झुक जाएंगे। **- साभार, बीबीसी**

कांग्रेस प्रत्याशी नहीं आये, चुनाव आया

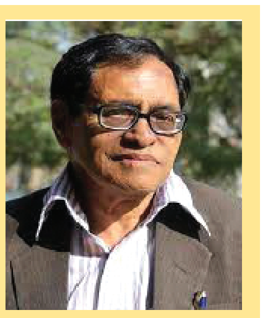

कमलेश भारतीय

एक गाना बहुत याद आ रहा है, वही एक दो तीन... आजा पिया आई बहार, तेरा करूं, गिन गिन के मैं इंतज़ार ! अब लोकसभा चुनाव तो आ गया लेकिन हरियाणा में कांग्रेस प्रत्याशी अभी तक नहीं आये । कांग्रेस हाईकमान ने प्रत्याशियों के नामों की घोषणा रोक रखी है । पहले तो हरियाणा प्रदेश कांग्रेस प्रभारी, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, प्रदेशाध्यक्ष उदय भान, सुश्री सैलजा, रणदीप सुरजेवाला और सभी सिर से सिर जोड़े बैठे मंथन करते रहे लेकिन जब मंथन में कुछ बात न बनी तब कुछ नेताओं ने तो बैठक में आना ही बंद कर दिया ! फोन पर ही सलाह देने लगे । फैसला कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को सौंप दिया और वे बीमार हो गये, जिससे हरियाणा के प्रत्याशियों की इंतज़ार और लम्बी हो गयी !

प्रचण्ड समय

क्या इतनी सी ही वजह है कांग्रेस प्रत्याशियों के नामों की घोषणा न किये जाने की ? नहीं ! यह वजह नहीं है ! हरियाणा का बच्चा बच्चा जानता है कि प्रदेश कांग्रेस में कितनी फूट है, गुटबाजी है, कांटा निकालने की होड़ है, ऐसे में कैसे प्रत्याशियों के नाम पर सहमति बने ? बड़ी संख्या मुश्किल है! ऐसा लगता कि जैसे सभी गुट अपने अपने प्रत्याशियों की लिस्ट बना कर अपने ही प्रत्याशियों के चयन पर डटे हुए हैं । इन्हें कांग्रेस हित की चिंता नहीं है, अपने प्रत्याशियों के हित, अपने गुट के हित ज्यादा प्यारे हैं और अब खड़गे के पास भी ऐसे ही सुझाव पेश किये जा रहे हैं, खड़गे भी करें तो क्या ? चर्चा है कि नौ में से छह लोकसभा क्षेत्रों के प्रत्याशियों के नाम पर तो सहमति बन गयी है लेकिन हिसार, करनाल और गुरुग्राम पर सहमति बनती नहीं दिखती ! फिर छह क्षेत्रों के प्रत्याशियों के नामों की घोषणा तो कर देनी चाहिए ! मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को चुटकी लेने का मौका मिल गया कि कांग्रेस तो आपस में ही टिकटों के लिए लड़ रही है और सिरसा से भाजपा प्रत्याशी और कभी हरियाणा प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष रहे अशोक तंवर तो इससे भी आगे बढ़कर कहते हैं कि कांग्रेस ही कांग्रेस को हरायेगी ! यह भी कड़वा और भोगा हुआ सच है कि जब अपने सुझाये प्रत्याशी को टिकट नहीं मिलती तब या तो उसे निर्दलीय या फिर किसी दूसरी पार्टी से चुनाव मैदान में उतार कर कांग्रेस को कमज़ोर करते हैं । वैसे एक समय इनेलो भाजपा समझौता था लेकिन भाजपा के पास प्रत्याशी ही नहीं थे, तब इनेलो ने किशन सिंह सांगवान भाजपा को दे दिये और वे फिर भाजपा के रंग में ऐसे रंगे कि इनेलो में लौटे ही नहीं ! अब स्थिति बदल चुकी है। अब ड्राइवर सीट पर भाजपा है और हरियाणा में किसी दल से समझौते की जरूरत ही नहीं ! जजपा से भी लोकसभा चुनाव आने पर गठबंधन तोड़ते कहा कि सिर्फ सरकार चलाने तक गठबंधन था क्योंकि हरियाणा को स्थिर सरकार चाहिए थी। अब जजपा को भी लोकसभा प्रत्याशी ढूंढने पड़े और कुछ उतार भी दिये । इनेलो, जजपा जैसे दल प्रत्याशियों की घोषणा में कांग्रेस से आगे निकल गये जबकि कांग्रेस का विचार मंथन याकि मैराथन दौड़ही खत्म होने का नाम नहीं ले रही ! अब तो कांग्रेस को प्रत्याशियों की घोषणा कर ही देनी चाहिए और गुटबाजी पर लगाम लगानी पड़ेगी ! नहीं तो आजा पिया आई बहार, तेरा करूं गिन गिन के इंतज़ार ही रह जायेगा और चुनाव का मौसम व प्रचार का समय निकलता जायेगा !

-पूर्व उपाध्यक्ष, हरियाणा ग्रंथ अकादमी। 9416047075

इसराइल पर ईरान के हमले से क्या नेतन्याहू को मिली नई लाइफ़लाइन

अभी कुछ दिनों पहले तक इसराइल के प्रधानमंत्री बिन्यामिन नेतन्याहू भारी दबाव में थे।

पहली अप्रैल को ग़ज़ा में हुए इसराइली सेना के हमले में वर्ल्ड सेंट्रल किचन के सात सहायता कर्मियों की मौत हो गई थी, इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन अपने सहयोगी देश इसराइल पर धीरज खोते दिखे।

इसी दिन इसराइल ने दमिश्क में ईरानी राजनयिक परिसर पर भी हमला किया था, जिसमें एक वरिष्ठ जनरल समेत कम से कम 6 अफ़सरों की मौत हो गई थी। साथ ही इस हमले से दूतावासों पर हमले को रोकने वाली संधियों का उल्लंघन भी हुआ।

इसराइल ने दावा किया कि जिस वाणिज्य दूतावास पर हमला उसकी तरफ़ से हुआ है, ईरान उसका इस्तेमाल सैन्य चौकी के तौर पर कर रहा था। ऐसे में ईरान ने संधियों से मिलने वाली सुरक्षा को खो दिया था।

ईरान ने इसके बाद जवाबी कार्रवाई की बात की थी लेकिन ईरान के सीनियर कमांडर्स पर हुए हमले के बाद कार्रवाई से ज़्यादा बयानबाजी ही देखने को मिली थी।

बाइडन के बयान से नेतन्याहू पर दबाव

ईरान के बाहर, अमेरिका स्थित चैरिटी संस्थान वर्ल्ड सेंट्रल किचन पर हुआ हमला दमिश्क के हमले पर भारी पड़ गया।

व्हाइट हाउस ने राष्ट्रपति बाइडन का नाराज़गी भरा बयान जारी किया। वो 'गुस्से में और बेहद दुखी' थे। ये ऐसा कोई पहला मामला नहीं था। इसराइल, सहायताकर्मियों और फ़लीस्तीन के नागरिकों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठा रहा था।

प्रधानमंत्री नेतन्याहू के साथ बातचीत में उन्होंने (बाइडन) कई रियायतों की मांग की। ग़ज़ा में मानवीय सहायता को बढ़ाया जाना चाहिए। मानवीय सहायता पहुंचाने के लिए इसराइल को ज़्यादा सीमाओं को खोलना चाहिए। उत्तरी ग़ज़ा में भूख से मर रहे बच्चों तक सहायता पहुंचाने के लिए अशदोद बंदरगाह को भी खोला जाना चाहिए जो कि वहां से केवल एक घंटे की दूरी पर है।

प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने वादा किया कि चीजें बदलेंगी बावजूद इसके इसराइल टालमटोल कर रहा था। एक तरफ़ नेतन्याहू व्हाइट हाउस की तरफ से दबाव झेल रहे थे, साथ ही उनपर अतिराष्ट्रवादी चरमपंथियों का भी दबाव था, जिन चरमपंथियों के दमपर पर नेतन्याहू की गठबंधन सरकार चल रही है।

ये चरमपंथी न केवल ग़ज़ा में मानवीय सहायता को बढ़ाने का विरोध कर रहे थे, साथ ही इनका मानना है कि इस युद्ध ने यहूदियों को ग़ज़ा में फिर से बसाने का मौका दिया है। साल 2005 में इसराइल ने यहां से यहूदी बस्तियों को खाली करा दिया था और उन्हें नष्ट कर दिया था।

''इसराइल को बिना शर्त सैन्य सहायता नहीं दी जा सकती''

पिछले हफ्ते के आखिर तक, अमेरिकी दबाव बढ़ रहा था। गुरुवार को यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फ़ॉर इंटरनेशनल डेवेलपमेंट की एडमिनिस्ट्रेटर सामंथा पावर ने कहा था कि अकाल पहले से ही ग़ज़ा के कुछ इलाकों को प्रभावित कर रहा है। इसराइल के दोस्तों और दुश्मनों के लिए ये साफ़ था कि ग़ज़ा की छह महीने की घेराबंदी ने दुनिया के सबसे बड़े खाद्य संकट को पैदा किया है। एक और अटकलें लगाई जा रही हैं कि इसराइल को जो हथियार अमेरिका आपूर्ति करता है उन हथियारों के इस्तेमाल पर अमेरिका शर्तें लागू कर सकता है।

ईरान के हमले से कुछ घंटे पहले शनिवार की सुबह 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' में गहरी नाराज़गी की बात छपी, ख़ासकर अमेरिकी कांग्रेस के प्रमुख डेमोक्रेट्स के बीच गहराते गुस्से को इस लेख में बताया गया। इन लोगों ने इसराइल में हथियारों की आपूर्ति को रोकने की मांग की थी।

आर्टिकल में लिखा गया कि इसराइल को बिना शर्त सैन्य सहायता नहीं दी जा सकती, अखबार के संपादकीय बोर्ड ने अमेरिका के साथ 'भरोसे के रिश्ते' को तोड़ने के लिए नेतन्याहू और सरकार के कट्टरपंथियों की आलोचना की।

इसमें लिखा गया है कि इसराइल को खुद की रक्षा करने के अधिकार के प्रति अमेरिका की प्रतिबद्धता का ये मतलब नहीं है कि राष्ट्रपति बाइडन ''नेतन्याहू को दोहरा खेल खेलने की इजाजत दें।''

इस बीच ईरान के इसराइल पर पहले सीधे हमले ने प्रधानमंत्री नेतन्याहू को लाइफलाइन दे दी।

अमेरिका की अपील को इसराइल ने किया नज़रंदाज़

अमेरिका और अन्य पश्चिमी सहयोगी देशों की सेनाओं की मदद से इसराइल ने ईरान के 300 से ज़्यादा ड्रोन्स और मिसाइलों को मार गिराया। ग़ज़ा में इसराइल के हमले के जितने बड़े आलोचक जॉर्डन के किंग अब्दुल्ला रहे हैं उतना कोई दूसरा अरब लीडर नहीं रहा है।

लेकिन जॉर्डन की वायुसेना भी इसराइल की तरफ़ जाने वाले मिसाइल और ड्रोन को मार गिराने के ऑपरेशन में शामिल हो गई

इसराइल को सैन्य सहायता देने पर शर्तें लगाने की आवाज़ों की जगह एकजुटता दिखाने की बात ने ले ली। प्रधानमंत्री नेतन्याहू के सामने नए राजनीतिक अवसर बने, कम से कम एक या दो दिन के लिए ही सही ग़ज़ा सुर्ख़ियों से बाहर है।

प्रधानमंत्री नेतन्याहू पर दबाव बदला है लेकिन पूरी तरह से ख़त्म नहीं हुआ है। इसराइल का अगला कदम इस दबाव को दोगुना कर सकता है।

राष्ट्रपति बाइडन ने ये साफ कर दिया है कि आगे क्या होना चाहिए इस पर वो क्या सोचते हैं। इसराइल को जीत की घोषणा करनी चाहिए और संघर्ष को आगे नहीं बढ़ाना चाहिए। बाइडन ने फिर से एलान किया है कि इसराइल के लिए अमेरिका का "दृढ़" समर्थन है।

हमास के हमले के बाद से ही अमेरिका का ये रुख उनकी पॉलिसी में फिट बैठता है। राष्ट्रपति बाइडन और उनके प्रशासन ने मध्य पूर्व में एक व्यापक युद्ध को रोकने के लिए कड़ी मेहनत की है।

हालांकि, अमेरिका ने इसराइल को हथियारों की बड़े पैमाने पर आपूर्ति भी की है जिसका इस्तेमाल ग़ज़ा में विनाश के लिए किया गया।

अक्टूबर से इसराइल, हथियारों और राजनयिक समर्थन को स्वीकार करता गय। युद्ध के नियमों का सम्मान साथ ही नागरिकों की सुरक्षा के लिए बाइडन की अपीलों को नजरंदाज करता गया।

ईरान के ख़िलाफ़ मिले अभूतपूर्व सैन्य सहयोग के बाद भी इसराइल एक बार फिर जो बाइडन की सलाह को नजरंदाज करता दिख रहा है।

सिर्फ़ इतना ही नहीं शनिवार को हुए हमले में सहयोग देने वाले दूसरे देशों की समान भावनाओं को भी इसराइल नजरंदाज करने के लिए तैयार है।

जो बाइडन की ही तरह ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने लड़ाकू विमान तैनात किए थे और ईरान की निंदा की थी। दोनों ही देशों ने इसराइल से जवाबी हमला नहीं करने का आग्रह भी किया है।

ये देश इसराइल में लंबे समय से चली आ रही मान्यताओं के उलट बात कर रहे हैं। ऐसी ही एक मान्यता है कि इसराइल का अस्तित्व हमलों का जवाब देने पर निर्भर है।

दूसरा बिन्यामिन नेतन्याहू की सोच है, जिसे वो कई बार सामने रख चुके हैं कि ईरान, इसराइल का सबसे ख़तरनाक दुश्मन है। बहुत से इसराइली भी यही सोचते हैं।

अब, 1979 में इस्लामिक क्रांति से चली आ रही दुश्मनी के कई साल बाद ईरान ने इसराइल पर सीधा हमला किया है।

इसराइल ने कहा है कि अब सवाल ये नहीं है कि वो जवाबी हमला करेगा, बल्कि सवाल ये है कि कब और कैसे। **- साभार, बीबीसी**

बजरंगबली की पूजा में शामिल करें ये खास चीजें, हर संकट होगा दूर!

हिन्दू धर्म में हर साल की तरह इस बार भी चैत्र माह के शुक्ल की पूर्णिमा तिथि को हनुमान जयंती बड़े ही जश्न के साथ मनाई जाएगी, क्योंकि इसी दिन हनुमान जी का जन्म हुआ था। इस साल हनुमान जयंती को लेकर कोई कंफ्यूजन है तो आपको यहां पर उसके बारे में विस्तार से जानकारी दी जा रही है कि इस साल हनुमान जयंती की सही तारीख क्या है। ऐसी मान्यता है कि बजरंगबली आज भी धरती पर सशरीर मौजूद हैं। वह आज भी सभी के संकटों का निवारण करते हैं इसलिए उन्हें संकटमोचन के नाम से भी जाना जाता है।

हनुमान जयंती शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि 23 अप्रैल को सुबह 3 बजकर 25 मिनट से शुरू होगी और 24 अप्रैल को सुबह 5 बजकर 18 मिनट पर समाप्त होगी। इसलिए इस साल हनुमान जयंती 23 अप्रैल 2024 दिन मंगलवार को मनाई जाएगी। हनुमान जी की पूजा के लिए शुभ मुहूर्त 23 अप्रैल को सुबह 9 बजकर 3 मिनट से 10 बजकर 41 मिनट तक रहेगा। ब्रह्म मुहूर्त 23 अप्रैल को सुबह 4 बजकर 20 मिनट से 05 बजकर 04 मिनट तक रहेगा। इस मुहूर्त में स्नान करना बहुत ही शुभ माना जाता है। हनुमान जयंती के दिन अभिजीत मुहूर्त सुबह 11 बजकर 53 मिनट से दोपहर 12 बजकर 46 मिनट तक रहेगा।

बजरंगबली की पूजा में शामिल करें ये चीजें

ऐसी मान्यता है कि हनुमान जयंती की पूजा में कुछ जरूरी चीजों का शामिल करना बहुत करना बहुत ही आवश्यक होता है। इससे हनुमान जयंती के पुण्यफल से साधक के अटके काम पूरे होने लगते हैं। बजरंगी के भक्त हर समय उनकी कृपा बनी रहती है, जिससे उसे किसी भी प्रकार की बुरी बलाओं से मुक्ति मिलती है।

हनुमान जी की पूजा में लाग या नारंगी रंग अवश्य शामिल करें, क्योंकि हनुमान जी को ये रंग बहुत प्रिय है। ऐसे में हनुमान जी को उनकी पूजा में लाल रंग के पुष्प, लाल रंग के फल, लाल या नारंगी रंग के वस्त्र और सिंदूर अवश्य शामिल करें।

हनुमान जयंती की पूजा का पुण्यफल पाने के लिए शुद्ध घी का दीया ही जलाना शुभ माना जाता है। यदि आप हनुमान जी के दीये में कलावे से बनी लाल रंग की बाती लगाते हैं तो उसकी शुभता और अधिक बढ़ जाती है।

हिंदू धर्म में किसी भी देवी-देवता की पूजा भोग के बिना अधूरी मानी जाती है। ऐसे में हनुमान जयंती के दिन हनुमान जी की पूजा में उनका प्रिय भोग यानि बूंदी, मोतीचूर का लड्डू, चूरमा, गुड़-चना आदि शामिल करें।

हनुमान जी की पूजा में तुलसी दल का विशेष रूप से महत्व होता है। ऐसी मान्यता है कि हनुमान जी का भोग तब तक अधूरा माना जाता है, जब तक कि आप उसमें तुलसी दल साथ न चढ़ाएं। ऐसे में आप हनुमत कृपा पाने के लिए उन्हें तुलसी के पत्तों से बनी माला विशेष रूप से चढ़ा सकते हैं।

हनुमान जयंती की पूजा करने वाले साधक को तामसिक चीजों का प्रयोग नहीं करें और उसे पूरे दिन ब्रह्मचर्य का पालन करते हुए इस व्रत को पूरा करना चाहिए। हनुमान जी की पूजा करते समय अपना ध्यान इधर-उधर की चीजों में नहीं भटकाएं। इसके लिए पूजा करने से पहले सभी पूजन सामग्री अपने पास में रख लें। जरूरत पड़ने पर पूजा में सभी चीजों के उपयोग किया जा सके।

जानें क्या है मान्यता

हिंदू मान्यता के अनुसार, कलयुग में राम भक्त हनुमान जी की साधना सभी सुखों को दिलाने और मनोकामनाओं को पूरा करने वाली मानी गई है। हर युग में पृथ्वी पर मौजूद रहने वाले हनुमान जी की साधना के पुण्य फल से व्यक्ति के जीवन से जुड़ा बड़ा से बड़ा कष्ट पलक झपकते ही दूर हो जाते हैं। इसके अलावा आपको जीवन में आने वाले संकटों से मुक्ति मिलती है और घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

शुक्रवार के दिन करें मां लक्ष्मी के इन नामों का जप, धन से भर देंगी खाली तिजोरी!

हिंदू धर्म में हर दिन किसी न किसी देवी-देवता को समर्पित होता है। ऐसे ही शुक्रवार का दिन धन की देवी मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना के लिए माना जाता है। साथ ही शुक्रवार के दिन उनके निमित्त वैभव लक्ष्मी व्रत रखा जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस व्रत को करने से व्यक्ति के जीवन की सारी धन संबंधी परेशानियां दूर हो जाती हैं। साथ ही आमदनी और सौभाग्य में बढ़ोतरी होने लगती है। वैभव लक्ष्मी व्रत स्त्री और पुरुष दोनों कर सकते हैं। अगर आप भी अपने जीवन से आर्थिक तंगी से परेशान हैं तो शुक्रवार के दिन प्रातः काल स्नान-ध्यान कर मां लक्ष्मी की विधि-विधान से पूजा करें। इसके अलावा शुक्रवार के दिन पूजा के समय मां लक्ष्मी के 108 नामों का मंत्र जाप करें।

मां लक्ष्मी के 108 नाम

ॐ नित्यागतायै नमः
ॐ अनन्तनित्यायै नमः
ॐ नन्दिन्यै नमः
ॐ जनरञ्जन्यै नमः
ॐ नित्यप्रकाशिन्यै नमः
ॐ स्वप्रकाशस्वरूपिण्यै नमः
ॐ महालक्ष्म्यै नमः
ॐ महाकाल्यै नमः
ॐ महाकन्यायै नमः
ॐ सरस्वत्यै नमः
ॐ भोगवैभवसन्धात्र्यै नमः
ॐ भक्तानुग्रहकारिण्यै नमः
ॐ ईशावास्यायै नमः
ॐ महामायायै नमः
ॐ महादेव्यै नमः
ॐ महेश्वर्यै नमः
ॐ हृल्लेखायै नमः
ॐ परमायै नमः
ॐ शक्त्यै नमः
ॐ स्वप्रकाशात्मरूपिण्यै नमः
ॐ त्रिपुरायै नमः
ॐ भैरव्यै नमः
ॐ विद्यायै नमः
ॐ हंसायै नमः
ॐ वागीश्वर्यै नमः
ॐ शिवायै नमः
ॐ मातृकाबीजरूपिण्यै नमः
ॐ नित्यानन्दायै नमः
ॐ नित्यबोधायै नमः
ॐ नादिन्यै नमः
ॐ जन्मोदिन्यै नमः
ॐ सत्यप्रत्ययिन्यै नमः
ॐ वाग्देव्यै नमः
ॐ महारात्र्यै नमः
ॐ कालरात्र्यै नमः
ॐ त्रिलोचनायै नमः
ॐ भद्रकाल्यै नमः
ॐ कराल्यै नमः
ॐ महाकाल्यै नमः
ॐ तिलोत्तमायै नमः
ॐ काल्यै नमः
ॐ करालवक्त्रान्तायै नमः
ॐ कामाक्ष्यै नमः
ॐ कामदायै नमः
ॐ शुभायै नमः
ॐ चण्डिकायै नमः
ॐ चण्डरुपेशायै नमः
ॐ चामुण्डायै नमः
ॐ चक्रधारिण्यै नमः
ॐ त्रैलोक्यजनन्यै नमः
ॐ देव्यै नमः
ॐ त्रैलोक्यविजयोत्तमायै नमः
ॐ सिद्धलक्ष्म्यै नमः
ॐ क्रियालक्ष्म्यै नमः
ॐ मोक्षलक्ष्म्यै नमः
ॐ प्रसादिन्यै नमः
ॐ उमायै नमः
ॐ भगवत्यै नमः
ॐ दुर्गायै नमः
ॐ चान्द्र्यै नमः
ॐ दाक्षायण्यै नमः
ॐ शिवायै नमः
ॐ प्रत्यङ्गिरायै नमः
ॐ धरायै नमः
ॐ वेलायै नमः
ॐ लोकमात्रे नमः
ॐ हरिप्रियायै नमः
ॐ पार्वत्यै नमः
ॐ परमायै नमः
ॐ देव्यै नमः
ॐ ब्रह्मविद्याप्रदायिन्यै नमः
ॐ अरूपायै नमः
ॐ बहुरूपायै नमः
ॐ विरूपायै नमः
ॐ विश्वरूपिण्यै नमः
ॐ पञ्चभूतात्मिकायै नमः
ॐ वाण्यै नमः
ॐ पञ्चभूतात्मिकायै नमः
ॐ परायै नमः
ॐ कालिम्नयै नमः
ॐ पञ्चिकायै नमः
ॐ वाग्म्यै नमः
ॐ हविषे नमः
ॐ प्रत्यधिदेवतायै नमः
ॐ देवमात्रे नमः
ॐ सुरेशानायै नमः
ॐ वेदगर्भायै नमः
ॐ अम्बिकायै नमः
ॐ धृतये नमः
ॐ सङ्ख्यायै नमः
ॐ जातये नमः
ॐ क्रियाशक्त्यै नमः
ॐ प्रकृत्यै नमः
ॐ मोहिन्यै नमः
ॐ मह्यै नमः
ॐ यज्ञविद्यायै नमः
ॐ महाविद्यायै नमः
ॐ गुह्यविद्यायै नमः
ॐ विभावर्यै नमः
ॐ ज्योतिष्मत्यै नमः
ॐ महामात्रे नमः
ॐ सर्वमन्त्रफलप्रदायै नमः
ॐ दारिद्र्यध्वंसिन्यै नमः
ॐ देव्यै नमः
ॐ हृदयग्रन्थिभेदिन्यै नमः
ॐ सहस्रादित्यसङ्काशायै नमः
ॐ चन्द्रिकायै नमः
ॐ चन्द्ररूपिण्यै नमः

शुक्रवार को करें ये काम

शुक्रवार के दिन स्नान-ध्यान के बाद धन की देवी माता लक्ष्मी और भगवान विष्णु की पूजा करें। फिर मां लक्ष्मी और विष्णु जी को बिना टूटे चावल से बनी खीर अर्पित करें। मां लक्ष्मी को खीर बेहद प्रिय मानी जाती है। इस उपाय को करने से मां लक्ष्मी की कृपा व्यक्ति पर बरसती है और उसके जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

धन की देवी मां लक्ष्मी को एकाक्षी नारियल बहुत प्रिय है। इसलिए शुक्रवार के दिन मंदिर जाकर मां लक्ष्मी और नारायण जी को एकाक्षी नारियल अर्पित करना चाहिए। इस उपाय को करने से मनचाहे फल की प्राप्ति होती है।

रवि प्रदोष व्रत पर करें शिव जी से जुड़े ये चमत्कारी उपाय, मनचाही इच्छा होगी पूरी

हर महीने के कृष्ण पक्ष और शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी को प्रदोष व्रत किया जाता है। सप्ताह के सातों दिनों में से जिस दिन प्रदोष व्रत पड़ता है, उसी के नाम पर उस प्रदोष का नाम रखा जाता है, इसलिए इसे रवि प्रदोष व्रत कहा जाएगा। शिव भक्तों के लिए इस व्रत का काफी महत्व है, क्योंकि इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती के साथ भगवान गणेश की पूजा की जाती है।

ज्योतिष गणना के अनुसार, इस बार हिंदू नववर्ष का पहला प्रदोष व्रत अप्रैल में 21 अप्रैल को पड़ रहा है। इस दिन भगवान शिव के साथ माता पार्वती की भी पूजा करने का विधान है। साथ ही यह व्रत मनचाही इच्छा पूरी करने के लिए भी रखा जाता है। इस व्रत का फल एकदम न मिलकर धीरे-धीरे प्राप्त होता है। ऐसे में आइए जानते हैं भोलेनाथ की कृपा पाने के लिए इस दिन कौन से उपाय करने चाहिए।

रवि प्रदोष व्रत पर करें ये उपाय

शिव की आराधना करेंः- ज्योतिषाचार्य के अनुसार, रवि प्रदोष व्रत के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान आदि से निवृत होकर शिव जी की आराधना करें। इसके बाद उन्हें गंगा जल तथा कच्चे दूध से स्नान कराएं। साथ ही पंचाक्षरी मंत्र का जाप करें। ऐसा करने से भगवान शिव प्रसन्न होकर आपकी सारी मनोकामनाएं पूरी करते हैं।

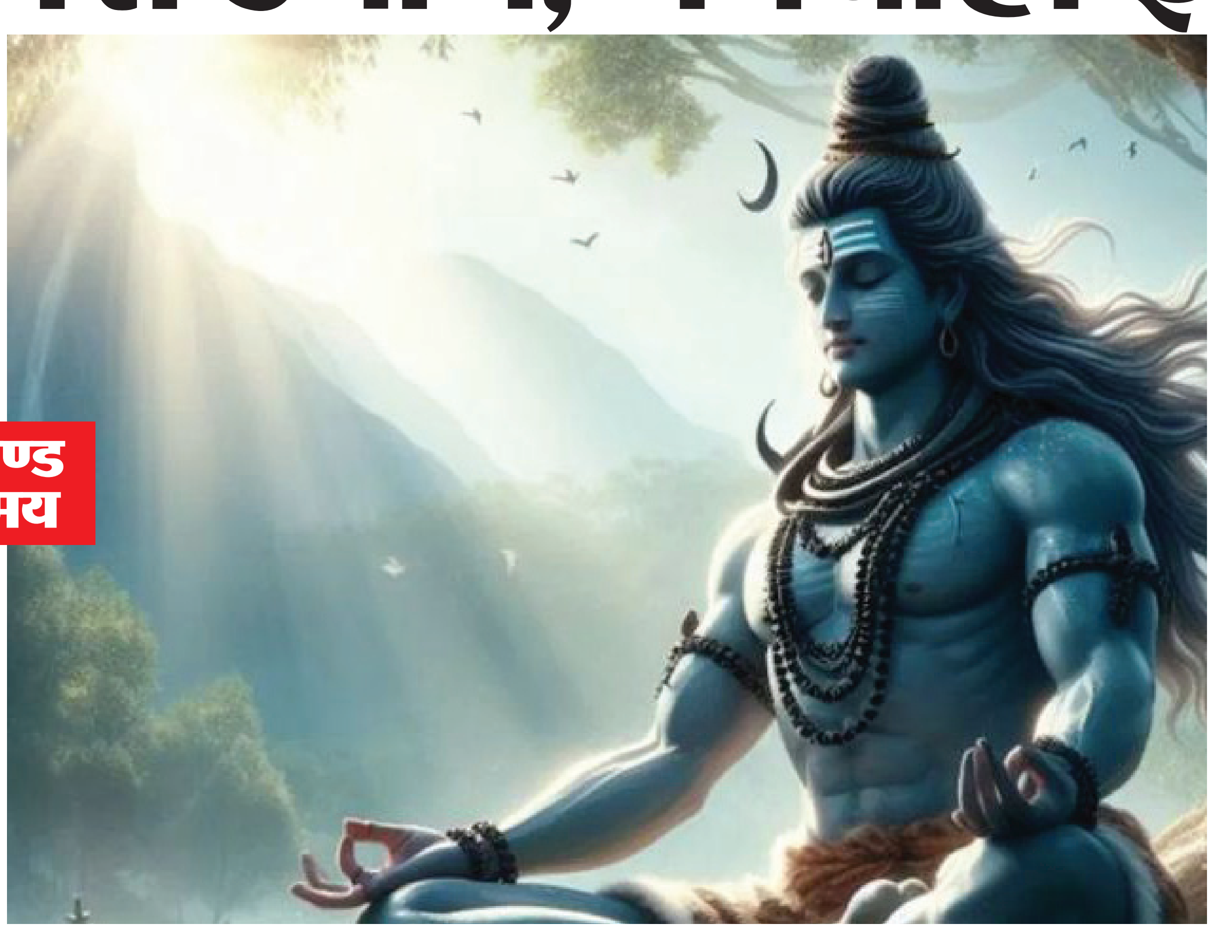

108 बार हृदय स्तोत्र पाठ करेंः- रवि प्रदोष व्रत सूर्य संबंधी उपायों के लिए लाभ कारी माना गया है। अगर आप इस दिन आदित्य हृदय स्तोत्र का 108 बार पाठ करते हैं तो आपको शुभ फलों और राजयोग की प्राप्ति होती है। इस उपाय को दिन में भगवान शिव की पूजा के बाद करना चाहिए।

शिवलिंग पर त्रिपुंड बनाएंः- रवि प्रदोष व्रत के दिन पीले चंदन का लेप बनाकर शिवलिंग पर त्रिपुंड बनाएं। इसके बाद एक बेलपत्र पर शहद लगाएं और इसे दाहिने हाथ से शिवलिंग पर चढ़ाएं। बेलपत्र चढ़ाते हुए मन में अपनी मनोकामना कहें। ये उपाय सूर्यास्त के समय करना चाहिए। ऐसा करने से भगवान शिव खुश होते हैं और सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं।

शिव जी का पंचामृत से अभिषेक करेंः- प्रदोष व्रत पर भगवान शिव का पंचामृत से अभिषेक करें। इसके साथ ही माता पार्वती को सोलह श्रृंगार की सामग्री अर्पित करें। ऐसा करने से व्यक्ति के वैवाहिक जीवन में खुशहाली बनी रहती है और साथ ही मानसिक तनाव भी दूर होता है।

सफेद चीजों का दान करेंः- रवि प्रदोष व्रत में दान का भी विशेष महत्व होता है। इसलिए रवि प्रदोष व्रत के दिन सफेद चीजें जैसे दूध, दही, चावल का दान करें। ऐसा माना जाता है कि इससे नौकरी में प्रमोशन के योग बनते हैं। रविवार होने के कारण है आप गेहूं, जौ, तांबा, लाल पुष्प भी दान कर सकते हैं।

शिव प्रदोष स्त्रोत का पाठः- शिव पुराण के अनुसार, रवि प्रदोष व्रत रखने से व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक रोगों से मुक्ति मिलती है। साथ ही हर मनोकामना पूरी हो जाती है। अगर आप भी मनचाहा वर पाना चाहते हैं या कोई मनचाही इच्छा पूरी करना चाहते हैं, तो रवि प्रदोष के दिन विधि अनुसार भगवान शिव की पूजा करें। साथ ही पूजा के दौरान शिव प्रदोष स्तोत्र का पाठ भी जरूर करना चाहिए।

शिव प्रदोष स्तोत्र

जय देव जगन्नाथ जय शंकर शाश्वत । जय सर्वसुराध्यक्ष जय सर्वसुरार्चित ।।
जय सर्वगुणातीत जय सर्ववरप्रद ।
जय नित्यनिराधार जय विश्वम्भराव्यय ।।
जय विश्वैकवन्द्येश जय नागेन्द्रभूषण ।
जय गौरीपते शम्भो जय चन्द्रार्धशेखर ।।
जय कोट्यर्कसंकाश जयानन्तगुणाश्रय ।
जय भद्र विरुपाक्ष जयाचिन्त्य निरंजन ।।
जय नाथ कृपासिन्धो जय भक्तार्तिभंजन ।
जय दुस्तरसंसारसागरोत्तारण प्रभो ।।
प्रसीद मे महादेव संसारार्तस्य खिद्यतः ।
सर्वपापक्षयं कृत्वा रक्ष मां परमेश्वर ।।
महादारिद्रयमग्नस्य महापापहतस्य च ।
महाशोकनिविष्टस्य महारोगातुरस्य च ।।
ऋणभारपरीतस्य दह्यमानस्य कर्मभिः ।
ग्रहैः प्रपीड्यमानस्य प्रसीद मम शंकर ।।
दरिद्रः प्रार्थयेद् देवं प्रदोषे गिरिजापतिम् ।
अर्थाढ्यो वाऽथ राजा वा प्रार्थयेद् देवमीश्वरम् ।।
दीर्घमायुः सदारोग्यं कोशवृद्धिर्बलोन्नतिः ।
ममस्तु नित्यमानन्दः प्रसादात्तव शंकर ।।
शत्रवः संक्षयं यान्तु प्रसीदन्तु मम प्रजाः ।
नश्यन्तु दस्यवो राष्ट्रे जनाः सन्तु निरापदः ।।
दुर्भिक्षमारिसंतापाः शमं यान्तु महीतले ।
सर्वसस्यसमृद्धिश्च भूयात् सुखमया दिशः ।।
एवमाराधयेद् देवं पूजान्ते गिरिजापतिम् ।
ब्राह्मणान् भोजयेत् पश्चाद् दक्षिणाभिश्च पूजयेत् ।।
सर्वपापक्षयकरी सर्वरोगनिवारिणी ।
शिवपूजा मयाख्याता सर्वाभीष्टफलप्रदा ।।

न्यूज ब्रीफ..

लोकसभा चुनाव में अजमेर संसदीय क्षेत्र में भाजपा एवं कांग्रेस में सीधा मुकाबला

प्रचण्ड समय

ललित शर्मा, अजमेर . राजस्थान में आगामी 26 अप्रैल को दूसरे चरण में होने वाले लोकसभा चुनाव के तहत अजमेर संसदीय क्षेत्र में सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार सांसद भागीरथ चौधरी और विपक्षी दल कांग्रेस के प्रत्याशी रामचंद्र चौधरी के बीच सीधा मुकाबला होने के आसार हैं। इस बार चुनाव में भाजपा प्रत्याशी भागीरथ चौधरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी का सहारा है जबकि कांग्रेस प्रत्याशी अजमेर डेयरी में तीस साल से अधिक वर्षों से अध्यक्ष चले आ रहे रामचन्द्र चौधरी को जिले में उनकी मिल्कमैन की छवि का सहारा है। दोनों प्रत्याशी चुनाव प्रचार में लगे हुए है और अपनी अपनी जीत के दावे कर रहे हैं। भाजपा उम्मीदवार मोदी सरकार की उपलब्धियां और मोदी गारंटी को जनता के बीच रख रहे हैं जबकि कांग्रेस प्रत्याशी लोगों से एक मौका देने का आग्रह कर रहे हैं। इन दोनों प्रमुख दलों ने जाट को अपना उम्मीदवार बनाया हैं और ऐसे में जिस तरफ जाट मतदाता ज्यादा झुकेंगे उसकी स्थिति मजबूत मानी जा रही है लेकिन मोदी गारंटी के चलते मौजूदा सांसद भागीरथ चौधरी अपनी जीत पक्की मान रहे हैं। इस चुनाव में अजमेर जिले के 19 लाख 85 हजार 960 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे। जिले की आठ विधानसभा क्षेत्र वाले इस जिले में साढ़े तीन महीने पहले हुए विधानसभा चुनाव में सात पर भाजपा तथा एक पर कांग्रेस का विधायक है। अजमेर लोकसभा क्षेत्र में 14 उम्मीदवार अपना चुनावी भाग्य आजमा रहे है। इनमें भाजपा एवं कांग्रेस सहित विभिन्न दलों के सात तथा इतने ही निर्दलीय उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे है।

अंगुली पर मतदान की स्याही का निशान दिखाने पर मिलेगा विशेष ऑफर ——

राजस्थान में आगामी लोकसभा चुनाव में मतदान को बढ़ावा देने के लिए हनुमानगढ़ के कई व्यापारियों ने अपने व्यापारिक संस्थानों में विशेष ऑफर एवं छूट का प्रावधान किया है और इसका फायदा उठाने वाले मतदाता को अंगुली पर मतदान की स्याही का निशान दिखाना होगा। जिला निर्वाचन और स्वीप टीम के प्रोत्साहन पर इन व्यापारियों ने अपनी प्रतिष्ठानों में यह प्रावधान किया हैं। 40 व्यापारिक संस्थानों ने यह सकारात्मक पहल की है। चुनाव का पर्व देश का गर्व हैं। इसमें सभी की भागीदारी सुनिश्चित हो, इसके लिए शहर के व्यापारिक संस्थानों ने मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए यह प्रयास किया है। लोगों को मतदान के प्रति प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से हाल ही जिला निर्वाचन कार्यालय टीम द्वारा व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों का कहना है कि मतदाताओं को प्रोत्साहित करने में प्रशासनिक प्रयासों में हरसंभव सहयोग किया जायेगा । लोकसभा चुनाव में मताधिकार का इस्तेमाल करने पर खाने, खरीदारी, सैलून, आर्ट एंड क्राफ्ट , स्पोट्र्स, क्लॉथ, रेस्टोरेंट, ऑटो एसेसिरीज, बुक्स, स्कूल यूनिफार्म, मिठाई सहित 100 से अधिक प्रोडक्ट्स पर छूट मिलेगी। इनमें मिठाई पर सुबह नौ से सायं पांच बजे तक दस प्रतिशत छूट, महिलाओं के लिए किचन आइटम, क्लॉथ , ब्यूटी पॉर्लर सहित हर वर्ग के लिए विशेष ऑफर है।

कुरुक्षेत्र के मैदान में भाजपा का हैट्रिक का मंसूबा

प्रचण्ड समय

राजेंद्र सिंह जादौन, चंडीगढ़ . इस बार के लोकसभा चुनाव में कुरुक्षेत्र के मैदान में पुराने घोड़े पर सवार भाजपा और नए गठबंधन में शामिल कांग्रेस के बीच कड़ा मुकाबला है। इन दो बड़े दावेदारो के बीच अपनी खोई जमीन फिर हासिल करने के लिए कसरत कर रहे इंडियन नेशनल लोकदल ने भी ताल ठोक दी है।इनेलो सत्ता विरोधी वोटो में सेंध मार रहा है। इनेलो ने चुनाव को त्रिकोणीय बनाने का प्रयास किया है।भाजपा ने इस सीट के लिए पहले दो बार कांग्रेस के टिकट पर लोकसभा गए नवीन जिंदल पर दाव लगाया है। इंडिया गठबंधन की ओर से आम आदमी पार्टी के हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष डॉ सुशील गुप्ता मैदान में है। उद्योगपति नवीन जिंदल को चुनाव मैदान में उतारकार भाजपा तीसरी बार कुरुक्षेत्र को जीतना चाहती है। भाजपा 2019 के लोकसभा चुनाव में भी नवीन जिंदल को कुरुक्षेत्र की लड़ाई में उतारना चाहती थी, मगर तब उन्होंने प्रस्ताव स्वीकार नही किया था। तब मौजूदा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने टिकट दिलाया और वह जीत गए। 2019में भी इनेलो कुरुक्षेत्र के रण में उतरी थी। तब इनेलो के प्रधान महासचिव अभय सिंह चौटाला ने अपने बड़े बेटे अर्जुन चौटाला को उतारा था, लेकिन बात नहीं बन पाई थी। इनेलो कुरुक्षेत्र के चुनाव मैदान में तीसरी बार उतरा है। अभय चौटाला ने साल 2004 में कांग्रेस के नवीन जिंदल (अब भाजपा उम्मीदवार) के मुकाबले चुनाव लड़ा था, मगर हार गए थे।इनेलो ने कुरुक्षेत्र के चुनावी रण में इसलिए भी तीसरी बार ताल ठोंकी है, ताकि जीटी रोड बेल्ट पर वर्चस्व को हासिल किया जा सके। इनेलो के टिकट पर प्रो. कैलाशो सैनी लगातार दो बार कुरुक्षेत्र से सांसद रह चुकी हैं। अब वह कांग्रेस की राजनीति करती हैं। वर्ष 1996 में कैलाशो सैनी ने समता पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ा था और हरियाणा विकास पार्टी के उम्मीदवार नवीन जिंदल के पिता ओमप्रकाश जिंदल ने हरा दिया था। अगला चुनाव 1998 में हरियाणा लोकदल (राष्ट्रीय) के टिकट पर लड़ा और जीत दर्ज करा पहली बार संसद में पहुंची।1999 में दूसरी बार इनेलो की टिकट पर जीत हासिल की। तब उन्होंने नवीन जिदंल के पिता ओमप्रकाश जिंदल को हराकर पुरानी हार का बदला लिया था। नवीन जिंदल ने 2004 में पहला चुनाव कांग्रेस के टिकट पर लड़ा और इनेलो के अभय चौटाला को हराया था। 2009 के लोकसभा चुनाव में नवीन जिंदल से हार का बदला लेने के लिए इनेलो ने पार्टी के तत्कालीन प्रदेशाध्यक्ष अशोक अरोड़ा (अब कांग्रेस) को चुनावी मैदान में उतारा। जिंदल ने उन्हे हरा दिया। 2014 में जीत की हैट्रिक के लिए कांग्रेस ने नवीन जिंदल को फिर से मैदान में उतारा लेकिन भाजपा के राजकुमार सैनी से हार गए।

एक महीने में 5.51 करोड़ की शराब जब्त

प्रचण्ड समय . शिमला

एक्साइज एंड टैक्सेशन विभाग और पुलिस आचार संहिता के दौरान हर तरह की गतिविधियों पर अपनी पैनी नजर रख रही है। इसी चुस्ती का नतीजा है कि 16 मार्च को आचार संहिता लगने के एक महीने बाद प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर निरीक्षण के दौरान 5.51 करोड़ रुपये की शराब पकड़ी जा चुकी है।

देश में 18वीं लोकसभा सहित कई राज्यों में विधानसभा की खाली सीटों पर उपचुनाव के ऐलान के साथ ही 16 मार्च से सभी राज्यों में आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू हो गई है।

हिमाचल में आखिरी चरण में एक जून को मतदान होना हैं। चुनावी प्रक्रिया के लिए सात मई को अधिसूचना जारी होगी। ऐसे में अब नई योजनाएं घोषणा सहित वित्तीय मंजूरी नहीं दी जा सकती है।

वहीं राजनीतिक दल चुनाव के दौरान मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए पैसे और शराब सहित अन्य प्रलोभन नहीं दे सकते हैं। ऐसा करने पर नियमों में कड़ी सजा का प्रावधान हैं, लेकिन इतनी सख्ती के बाद भी छोटे पहाड़ी राज्यों में चुनाव के दौरान वोटरों को प्रलोभन देने के लिए चुनाव की अधिसूचना जारी होने से पहले ही शराब सहित

अन्य लालच देकर मतदाताओं को प्रभावित करने का प्रयास शुरू हो गया है।

वहीं हिमाचल में चुनाव श्लाल परीश् की भेंट न चढ़े इसके लिए एक्साइज एंड टैक्सेशन विभाग और पुलिस की आचार संहिता के दौरान हर तरह की गतिविधियों पर पैनी नजर है। इसी चुस्ती का नतीजा है कि 16 मार्च को आचार संहिता लगने के बाद एक महीने की अवधि में प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर निरीक्षण के दौरान 5.51 करोड़ शराब पकड़ी जा चुकी है।

प्रदेश में लोकसभा चुनाव और विधानसभा उपचुनाव के लिए 16 मार्च से आदर्श आचार संहिता लागू हो गई थी। 16 मार्च से 16 अप्रैल के बीच एक महीने की अवधि में विभिन्न विभागों ने अब तक 7,85,51,662 रुपये की अवैध शराब, नकदी, आभूषण आदि जब्त किए जा चुके हैं। इसमें 5.51 करोड़ की 3,81,343 लीटर शराब जब्त की गई है। इसके अलावा पुलिस ने अब तक 64.18 लाख की 32 किलो चरस, 1.03 करोड़ कीमत की 1.47 किलो हेरोइन और 25 लाख की नकदी जब्त की है। वहीं अब तक करीब 3.35 लाख के सोने और चांदी के गहने भी जब्त किए जा चुके हैं। विभिन्न विभागों की ओर से ये कार्रवाई निरंतर जारी है।

हिमाचल में चुनाव के दौरान शराब का खूब दौर चलता है। मतदाताओं को प्रलोभन देने के लिए प्रदेश में शराब बांटी जाती है। इस बात की गवाही चुनाव आयोग की ओर से जारी शराब जब्ती के आंकड़े करते हैं।

निर्वाचन विभाग की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक हिमाचल में चुनाव के दौरान हर बार एक्साइज एक्ट के तहत दर्ज होने वाले मामलों का आंकड़ा बढ़ा हैं। इसके तहत साल 2014 में 16वीं लोकसभा के लिए हुए चुनाव के दौरान एक्साइज एक्ट के तहत 176 मामले दर्ज हुए थे। इसके तीन साल बाद ही प्रदेश में वर्ष 2017 में हुए विधानसभा चुनाव में एक्साइज एक्ट के तहत दर्ज होने वाले मामलों की संख्या बढ़कर 337 हो गई।

इसी तरह से 2019 में 17 वीं लोकसभा चुनाव के दौरान एक्साइज एक्ट के तहत दर्ज होने वाले मामलों की संख्या 734 तक पहुंच गई। हालांकि प्रदेश में वर्ष 2022 में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान एक्साइज एक्ट के तहत दर्ज होने वाले मामलों में कुछ कमी देखी गई थी। उस दौरान प्रदेश भर में एक्साइज एक्ट के तहत कुल 651 मामले दर्ज किए गए।

इस बार इसलिए काम रही प्रवासी परिंदों की संख्या

प्रचण्ड समय . शिमला

पौंग झील किनारे बिना परमिशन बीजी गई गेहूं की फसल अब पक कर तैयार हो गई है तथा ऐसे में फसल की कटाई भी शुरू होने वाली है लेकिन सवाल यह उठता है कि अब वन्य प्राणी विभाग कंबाइन के माध्यम से फसल की कटाई करने देगा या नहीं।

पौंग झील किनारे वन्य प्राणी विभाग की जमीन पर खेती करना प्रतिबंधित है लेकिन इस बार सुक्खू सरकार ने घोषणा करके बीजाई करने की परमिशन दे दी लेकिन वन्य प्राणी विभाग के पास इसकी कोई भी नोटिफिकेशन नहीं है। मात्र कुछेक साधन संपन्न परिवारों को लाभ पहुंचाने के लिए कांग्रेस सरकार ने

मौखिक रूप से वन्य प्राणी विभाग की खाली जमीन पर बीजाई करने की परमिशन दे दी जिस कारण इस बार पौंग झील में करीबन 22हजार प्रवासी परिंदे कम पहुंचे तथा पर्यटकों भी कम ही आए। फसल की आड़ में प्रवासी परिंदों का जमकर शिकार भी हुआ। साधन संपन्न परिवारों ने फसल को बचाने के लिए धागे व डोरियां खेतों में लगा रखी थीं जिसमें फंसकर प्रवासी पक्षी मौत का ग्रास बन गए।

अब साधन संपन्न परिवारों द्वारा कटाई के लिए कंबाइन मंगवा ली गई हैं जिनसे झील किनारे बीजी गई फसल की कटाई करवाई जाएगी और अवशेष को आग लगाकर जला दिया जाएगा जिससे पर्यावरण प्रदूषण होगा।

पर्यावरण प्रेमी कुलबन्त सिंह व मिलखी राम शर्मा ने कहा कि कंबाइन से कटाई करने वालों व कंबाइन चालकों पर सख्त एक्शन लिया जाए।

डीएफओ रेजीनोड रॉयस्टोन के बोल......

इस बारे में वन्य प्राणी विभाग हमीरपुर के डीएफओ रेजीनोड रॉयस्टोन ने कहा कि हमारे पास झील किनारे खेती करने की कोई नोटिफिकेशन नहीं आई है तथा किसी को भी कंबाइन से कटाई नहीं करने दी जाएगी। अगर कोई कंबाइन चलती हुई पाई गई तो उसे जब्त कर लिया जाएगा।

विद्यार्थियों ने ली विरासत को सरंक्षण करने की प्रतिज्ञा

प्रचण्ड समय . शिमला

पी एम श्री केंद्रीय विद्यालय हमीरपुर में विश्व विरासत दिवस बड़ी धूम-धाम से मनाया गया। सभी विद्यार्थियों ने उत्साह और जोश के साथ भाग लिया।

सर्वप्रथम विद्यालयसभी विद्यार्थी और शिक्षकों ने विरासत का सरंक्षण करने की प्रतिज्ञा ली। छात्रा सानिया शर्मा ने भारतीय विरासत के बारे में विस्तार से व्याख्यान दिया। आठवीं कक्षा के छात्र प्रियांश डोगरा ने विरासत को संरक्षित करने और विरासत का महत्व को बताते हुए कविता प्रस्तुत की। साथ ही विरासत दिवस पर चित्रकला प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

प्राचार्य श्री सुनील चौहान ने सभी को शुभकामनाएं देते हुए बताया कि विरासत किसी भी संस्कृति का आधार स्तंभ होती है और हम सभी को मिलकर इसका सरंक्षण करना अत्यावश्यक है जिससे हमारी संस्कृति भी अधिक प्रबल बनेगी।

महिलाओं को हर हाल में देंगे 1500 रुपए पेंशन

प्रचण्ड समय . शिमला

हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष नरेश चौहान ने कहा है कि भाजपा नेता महिला हितैषी होने का ढोंग कर रहे हैं। आज जारी एक बयान में नरेश चौहान ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर बार-बार यह दोहरा रहे हैं कि भाजपा महिलाओं की हितैषी है, लेकिन हिमाचल प्रदेश की जनता यह अच्छी तरह से जानती है कि 1500 रुपए पेंशन रुकवाने के लिए कौन चुनाव आयोग के पास गया। उन्होंने कहा कि जयराम ठाकुर को महिलाओं को दिए जा रहे अधिकार में अड़ंगे लगाने के लिए प्रदेश की जनता से माफ़ी मांगनी चाहिए, क्योंकि भाजपा नेता ही 1500 रुपए पेंशन रुकवाने के लिए चुनाव आयोग के पास गए थे। उन्होंने कहा कि भाजपा नेता जितना मर्ज़ी ज़ोर लगा लें, लेकिन प्रदेश की महिलाओं को 1500 रुपए पेंशन हर हाल में दी जाएगी।

नरेश चौहान ने कहा कि भाजपा का असली चेहरा हिमाचल प्रदेश की जनता के सामने बेनक़ाब हो गया है। भाजपा सिर्फ महिला विरोधी ही नहीं बल्कि कर्मचारी विरोधी भी है। पुरानी पेंशन मांगने पर भाजपा नेताओं ने सरकारी कर्मचारियों को मज़ाक़ बनाया और उन्हें चुनाव लड़ने की चुनौती दी गई। जबकि राज्य में मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद पहली ही कैबिनेट बैठक में प्रदेश के लगभग डेढ़ लाख सरकारी कर्मचारियों को पुरानी पेंशन प्रदान की, ताकि बुढ़ापे में उन्हें किसी के आगे हाथ फैलाने को मजबूर न होने पड़े और वह आत्म सम्मान के साथ अपना जीवन जी सकें। भाजपा नेताओं को प्रदेश की जनता को बताना चाहिए कि राजस्थान में भाजपा सरकार बनते ही पुरानी पेंशन को क्यों बंद कर दिया, जबकि अशोक गहलोत के नेतृत्व में तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने राजस्थान के सरकारी कर्मचारियों को पुरानी पेंशन प्रदान की थी।

मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार (मीडिया) ने कहा कि भाजपा की कथनी और करनी में अंतर है। भाजपा नेता सिर्फ प्रदेश की जनता को गुमराह करने के लिए मीडिया में झूठे बयान दे रहे हैं, लेकिन हिमाचल में लोग पढ़े लिखे हैं, समझदार हैं और सत्य-असत्य के बीच अंतर भली-भांति करने में सक्षम हैं।

उन्होंने कहा कि ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने मात्र सवा साल के कार्यकाल में महिलाओं को 1500 रुपए प्रति महीना पेंशन प्रदान की, सरकारी कर्मचारियों को पुरानी पेंशन दी, 20 हजार से अधिक सरकारी क्षेत्र में रोज़गार के अवसर पैदा किए हैं।

यहीं नहीं युवाओं को स्वरोज़गार के अवसर प्रदान करने के लिए 680 करोड़ रुपये स्टार्ट अप फंड तैयार किया है और सवा साल में ही पांच गारंटियाँ पूरी की हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार ने गारंटियों से आगे बढ़कर जनकल्याण का एक नया अध्याय लिखा है।

हिमाचल में कंगना रनौत का दिखा अनोखा अंदाज

प्रचण्ड समय . शिमला

प्रचण्ड समय

लोकसभा चुनाव के दौरान भरमौर में भाजपा उम्मीदवार कंगना रनौत प्रचार के दौरान एक ढाबे पर पहुंच गईं।

जहां उन्होंने खुद चाय बनाकर लोगों को परोसी भी है।

राजनीति की डगर आसान नहीं होता है इसका आभास मंडी संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी कंगना रनौत को ग्राम ग्राम पंचायत कुगति और पूलन के सफर के दौरान आभास होता नजर आया।

यहां पर अमूमन 150 मीटर करीब का सफर प्रत्याशी को पैदल ही उबड़-खाबड़ रास्ते को पार कर करना पड़ा।

जिससे कई बार तो कंगना रनौत की सांसे तक फूल गईं।

ऐसे में उन्हें आभास होता नजर आया कि राजनीति की फील्ड में पैर जमाने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ती है। जिससे उन्हें आभास हुआ कि दुर्गम क्षेत्र के बाशिंदों का 5जी के समय में भी किस प्रकार से जीवन यापन किया जाता है।

इसके अलावा अभिनेत्री ने जनजातीय भरमौर की वापसी के दौरान राख स्थित चाय के ढ़ाबे पर स्वयं चाय बना कर ढाबा मालिक और अन्य लोगों को चाय परोसी। कुल मिला कर जनजातीय क्षेत्र भरमौर के दुर्गम क्षेत्रों में अभिनेत्री व बीजेपी प्रत्याशी कंगना रनौत को आभास हो गया कि ग्रामीण क्षेत्रों में चुनावी प्रचार-प्रसार कितना जटिल है।

एचपीसीए का धर्मशाला स्टेडियम भारत का पहला स्टेडियम होगा जहां वैश्विक

प्रचण्ड समय . धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन क्रिकेट में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी को अपनाने में हमेशा सबसे आगे रहा है। राज्य में क्रिकेट के प्रबंधन निकाय एचपीसीए ने हाल ही में अपनी अभ्यास सुविधाओं में एसआईएसग्रास हाइब्रिड पिच टेक्नोलॉजी पेश करने के लिए एक रोमांचक पहल की है। यह कदम यह सुनिश्चित करेगा कि अभ्यास पिचें उच्चतम गुणवत्ता वाली हों क्योंकि पारंपरिक पिचें कठोर प्रशिक्षण कार्यक्रम नहीं झेल सकतीं और जल्दी ही खराब हो जाती हैं जिससे खिलाड़ियों के लिए अभ्यास के बेशकीमती अवसर सीमित हो जाते हैं।एसआईएसग्रास,नीदरलैंड स्थित एसआईएस पिचेज़ समूह की कंपनियों का अंग है और धर्मशाला के खूबसूरत एचपीसीए स्टेडियम में पहली बार हाइब्रिड पिच इंस्टॉलेशन में अपने

क्रांतिकारी निवेश के साथ भारतीय क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए तैयार है। यह अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी अधिक टिकाऊ,सुसंगत और उच्च प्रदर्शन वाली खेल की पिच प्रदान कर इस खेल के अनुभव में आमूल परिवर्तन लाएगी।एसआईएसग्रास प्रौद्योगिकी खिलाड़ियों को सुरक्षा,स्थायित्व और शानदार खेलने की क्षमता का बेजोड़ संयोजन प्रदान करती है।शानदार एचपीसीए स्टेडियम अपनी तरह की पहले हाइब्रिड पिच इंस्टॉलेशन के लिए तैयार है।इस पिच के इंस्टॉलेशन के बारे में एचपीसीए के मानद अध्यक्ष,आर पी सिंह ने कहा, प्रशंसकों के बीच धर्मशाला स्टेडियम ऐसे स्टेडियम के रूप में उभर रहा है जिसकी मांग बढ़ रही है और यह अपने सुरम्य परिवेश तथा सुंदर माहौल के लिए प्रसिद्ध है और घरेलू,अंतर्राष्ट्रीय तथा आईपीएल मैचों की मेज़बानी करता है।एचपीसीए ने क्रिकेट में लगातार उन्नत प्रौद्योगिकी को अपनाया है। उत्कृष्टता केंद्र में हमारी अत्याधुनिक इनडोर सुविधाओं से लेकर एलईडी लाइटिंग और कुशल जल निकासी के लिए एसआईएस एयर सिस्टम को लागू करने तक हम खिलाड़ियों और प्रशंसकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए समर्पित हैं। भारत में एसआईएसग्रास की अभूतपूर्व हाइब्रिड पिच प्रौद्योगिकी का आगमन हमारे राष्ट्रीय क्रिकेट के लिए अभूतपूर्व क्षण का प्रतीक है। यह नवोन्मेषी दृष्टिकोण खेल को उत्कृष्टता की नई ऊंचाइयों तक ले जाने की हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।इंग्लैंड के पूर्व खिलाड़ी और एसआईएस के अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट निदेशक,पॉल टेलर ने कहा,भारत के शानदार क्रिकेट परितंत्र में नई और बेहतर प्रौद्योगिकी को शामिल कर हमें उम्मीद है कि इसके विकास में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होगी। धर्मशाला में हाइब्रिड पिच स्थापित करने के लिए यूनिवर्सल मशीन का उपयोग किया जा रहा है जिसे एसआईएसग्रास ने पहली बार 2017 में विकसित किया था।यह क्रिकेट स्टेडियमों के अंदर प्राकृतिक टर्फ के साथ पॉलिमर फाइबर का एक छोटा प्रतिशत इंजेक्ट करता है। यह ढांचा खेल के दौरान पैदा होने वाले तनाव के प्रति अधिक लचीला है पिचों को टिकाऊ बनाने में मदद करता है समान उछाल की गारंटी देता है और व्यस्त ग्राउंडकीपरों पर दबाव कम करता है। जिन पिचों को तैयार किया गया है वहां अभी भी मुख्य रूप से प्राकृतिक घास हैं और सिर्फ 5प्रतिशत पॉलिमर फाइबर का उपयोग किया गया है।यह सुनिश्चित करता है कि पूरी तरह से प्राकृतिक पिच की विशेषताएं बनी रहें।पिच को सिलने के लिए धर्मशाला में यूनिवर्सल मशीन लगाई गई है।

आइंस्टीन ने पंडित नेहरू को क्यों लिखी थी चिट्ठी, क्या था इजराइल से कनेक्शन? पढ़ें पूरा किस्सा

दुनिया को विज्ञान के महान सिद्धांत देने वाले नोबेल पुरस्कार से सम्मानित वैज्ञानिक अलबर्ट आइंस्टीन से भला कौन परिचित नहीं होगा। जर्मनी में जन्मे अलबर्ट आइंस्टीन के माता-पिता धर्मनिरपेक्ष यहूदी थे। जर्मनी में नाजियों की सत्ता स्थापित हुई तो यहूदियों का विनाश शुरू कर दिया। इससे आइंस्टीन को बड़ी पीड़ा हुई और हालात ऐसे बने कि उनको अमेरिका की नागरिकता लेनी पड़ी। फिर एक वक्त ऐसा आया, जब यहूदियों ने अपने लिए एक अलग देश की स्थापना की तैयारी की।

भारत तब अंग्रेजों की गुलामी से आजादी की दहलीज पर खड़ा था और पूरी दुनिया में पंडित जवाहरलाल नेहरू की नीतियों का डंका बज रहा था। ऐसे में यहूदियों के लिए अलग देश इजराइल की स्थापना की बात पंडित नेहरू से करने के लिए यहूदी नेताओं ने अलबर्ट आइंस्टीन को चुना। इसके लिए उन्होंने बाकायदा पंडित नेहरू को चिट्ठी लिखी, जिसका जवाब भी उनको मिला था। इस महान वैज्ञानिक की पुण्यतिथि पर आइए जान लेते हैं पूरा किस्सा।

संयुक्त राष्ट्र में उठा इजराइल के गठन का मुद्दा

यह साल 1947 की बात है, संयुक्त राष्ट्र संघ में यहूदियों के लिए इजराइल नामक देश के गठन का सवाल खड़ा हुआ। वैज्ञानिक अलबर्ट आइंस्टीन भी यहूदियों के लिए अलग देश के समर्थक थे। हालांकि, वह चाहते थे कि इस देश के गठन के लिए अरब देशों के साथ समझौता हो, जिससे भविष्य में किसी तरह की दिक्कत न आए। इसके बाद ही इजराइल स्थापित किया जाए। ऐसे में मामला संयुक्त राष्ट्र में पहुंचने पर यहूदी नेताओं ने अलग देश के लिए दुनिया भर के दूसरे नेताओं से समर्थन जुटाने का फैसला किया। भारत का समर्थन जुटाने के लिए उन्होंने पंडित जवाहर लाल नेहरू से बात करने का निर्णय लिया और इसकी जिम्मेदारी अलबर्ट आइंस्टीन को सौंपी।

यहूदियों के लिए पंडित नेहरू से मांगा था समर्थन

अलबर्ट आइंस्टीन ने 13 जून 1947 को पंडित जवाहर लाल नेहरू को एक चिट्ठी लिखी। इस चिट्ठी में पहले तो उन्होंने पंडित नेहरू को भारत से छुआछूत खत्म करने की पहल के लिए बधाई दी। इसके बाद विस्तार से बताया कि यहूदियों के लिए अलग देश इजराइल का प्रस्ताव है और इसका समर्थन क्यों करना चाहिए।

आइंस्टीन ने अपने पत्र में पंडित नेहरू के सामने तर्क रखा कि यहूदियों के साथ हमेशा से भेदभाव होता आया है। उन्हें दुनिया के दूसरे लोगों की तरह सामान्य जीवन सीने का मौका ही नहीं दिया गया। आज दुनिया में कोई ऐसा स्थान नहीं है, जहां वह खुद को सुरक्षित महसूस करें। उन्होंने लिखा कि आपने अपने देश की आजादी के लिए संघर्ष किया है, इसलिए इजराइल के मुद्दे को गहराई से समझ सकते हैं। इसलिए इजराइल के गठन के लिए सपोर्ट करें।

पंडित नेहरू ने चिट्ठी में ही लिखा था जवाब

आइंस्टीन की चिट्ठी के करीब एक महीने बाद 11 जुलाई 1947 को पंडित जवाहर लाल नेहरू ने उन्हें चिट्ठी से ही जवाब भेजा। पंडित नेहरू ने अपनी चिट्ठी में यहूदियों पर हो रहे अत्याचारों पर गहरा दुख जताया। हालांकि, साथ ही साथ उन्होंने अरब लोगों के अधिकारों का मुद्दा भी इसमें उठाया। पंडित नेहरू ने लिखा कि यहूदियों के साथ पूरी संवेदना है। इसके बावजूद यह सवाल भी अपनी जगह पर जायज है कि क्या इस मुद्दे से अरबों का भविष्य और अधिकार दोनों ही जुड़े हुए हैं।

इजराइल के खिलाफ भारत ने की थी वोटिंग

अपने पत्र में अलबर्ट आइंस्टीन ने यहूदियों द्वारा फिलिस्तीन के विकास का दावा किया था। इस पर जवाबी पत्र में पंडित नेहरू ने सवाल किया कि अगर ऐसी उपलब्धि का उदाहरण सामने है तो यहूदी अरबों का भरोसा क्यों नहीं जीत पाए।

अब अरब लोगों की इच्छा के खिलाफ जाकर यहूदी अलग देश के लिए अपनी बात मनवाने की जिद क्यों कर रहे हैं।

कुल मिलाकर पंडित जवाहर लाल नेहरू ने बेहद विनम्रता के साथ अपनी बात दृढ़ता से रखते हुए इजराइल को भारत का समर्थन देने से मना कर दिया था। यही नहीं, संयुक्त राष्ट्र में इजराइल के मुद्दे पर भारत ने विपक्ष में वोटिंग की थी।

नौ नवंबर 1921 को भौतिकी के नोबेल पुरस्कार से नवाजे गए अलबर्ट आइंस्टीन का जन्म जर्मनी के वुर्टेमबर्ग के उल्म नामक स्थान पर 14 मार्च 1879 को हुआ था। 18 अप्रैल 1955 को पेट की गंभीर बीमारी के चलते उनका निधन हो गया।

प्रेमी के खुदकुशी के हर मामले में प्रेमिका जिम्मेदार क्यों नहीं, चर्चा में दिल्ली HC का फैसला, जानें इसका जवाब

र में असफल होने पर या यूं कहें कि रिलेशनशिप बिगड़ने के कारण अगर कोई लड़का आत्महत्या करता है तो क्या इसके लिए लड़की पर मुकदमा हो सकता है। क्या लड़की के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने की धारा में कार्रवाई की जा सकती है। यह सवाल अगर आपके भी जेहन में आ रहा है तो इसका जवाब दिल्ली हाईकोर्ट के एक फैसले से मिल जाता है।

हाईकोर्ट ने कहा है कि अगर प्यार में असफल होने पर कोई शख्स सुसाइड कर लेता है तो इसके लिए किसी महिला को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है। इससे पहले पिछले साल दिसंबर में इसी मुद्दे पर छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने भी बड़ी टिप्पणी की थी। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने कहा था कि यदि कोई भी व्यक्ति प्रेम में असफलता के कारण खुदकुशी कर लेता है, तो उसकी प्रेमिका के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला नहीं दर्ज किया जा सकता है।

आईपीसी की इस धारा के तहत होती है कार्रवाई

दरअसल, आत्महत्या के लिए उकसाने के लिए इंडियन पेनल कोड यानी आईपीसी की धारा 306 के तहत किसी के खिलाफ कार्रवाई की जाती है। इसके लिए दो अहम जरूरतें होती हैं, एक तो खुदकुशी और दूसरी खुदकुशी के लिए उकसाना। ऐसे ही एक मामला दिल्ली हाईकोर्ट के सामने आया था, जिसमें सुसाइड के लिए उकसाने के मामले में दो लोगों ने जमानत के लिए याचिका दायर की थी।

मृतक के पिता ने दर्ज कराई थी एफआईआर

इस मामले में एक महिला और उसके दोस्त के खिलाफ मृतक के पिता ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मृतक के पिता ने दोनों पर आरोप लगाया था कि उन्होंने उसके बेटे को आत्महत्या के लिए उकसाया था। पिता का कहना था कि महिला उसके बेटे के साथ रोमांटिक रिलेशनशिप में थी, जबकि दूसरा आरोपित उन दोनों का कॉमन फ्रैंड था। पिता का आरोप था कि दोनों ने मृतक को यह कहकर उकसाया था कि वे दोनों जल्द शादी कर लेंगे, क्योंकि उनके बीच शारीरिक संबंध थे। मृतक ने अपने सुसाइड नोट में भी लिखा था कि उन दोनों यानी महिला और कॉमन फ्रैंड के कारण वह आत्महत्या कर रहा है।

अग्रिम जमानत के लिए पहुंचे थे हाईकोर्ट

अपने खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के बाद महिला और उसके दोस्त ने हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत के लिए याचिका दायर की थी। इस मामले की सुनवाई के दौरान दिल्ली हाईकोर्ट ने टिप्पणी की कि अगर कोई प्रेमी प्रेम में असफल होने के कारण जान देता है तो महिला को सुसाइड के लिए उकसाने के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है। इसके साथ ही महिला और उसके दोस्त की गिरफ्तारी पर रोक लगाने वाली अंतरिम जमानत मंजूर कर ली।

किसी के गलत फैसले के लिए कोई और जिम्मेदार नहीं

इसी महीने की 16 तारीख को दिए अपने फैसले में दिल्ली हाईकोर्ट की एकलपीठ के न्यायाधीश अमित महाजन ने कहा कि अगर कोई प्रेमी प्रेम में असफल होने पर सुसाइड करता है, अगर कोई छात्र परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाने के कारण जान देता है, अगर कोई क्लाइंट अपना केस खारिज होने के बाद खुदकुशी करता है, तो क्रमशः महिला, परीक्षक और वकील को सुसाइड के लिए उकसाने का जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि किसी कमजोर मानसिकता वाले इंसान द्वारा लिए गए गलत फैसले के लिए किसी और को खुदकुशी के लिए उकसाने का दोषी नहीं ठहराया जा सकता है।

जस्टिस महाजन ने कहा कि आईपीसी की धारा 306 के अनुसार सुसाइड के लिए उकसाने की कार्रवाई के लिए दो जरूरतें होती हैं, आत्महत्या और आत्महत्या के लिए उकसाना। कोर्ट ने कहा कि रिकॉर्ड में पेश किए गए व्हाट्सएप चैट से प्रथम दृष्टया पता चलता है कि मृतक काफी संवेदनशील था और जब भी महिला उससे बात करने से मना करती थी, तो वह जान देने की धमकी देने लगता था।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने भी दिया था ऐसा ही फैसला

इसी तरह के एक मामले में साल 2023 में सात दिसंबर को दिए अपने फैसले में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट की सिंगल बेंच के जस्टिस पार्थ प्रतीम साहू ने कहा था कि कोई छात्र परीक्षा में खराब प्रदर्शन करने के कारण आत्महत्या करता है या कोई व्यक्ति अपना मुकदमा खारिज होने के कारण सुसाइड कर लेता है, तो उसके शिक्षक या संबंधित वकील को आत्महत्या के लिए उकसाने का जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है। अपने आदेश में जस्टिस साहू ने कहा था कि कोई प्रेमी अगर प्रेम में असफलता के कारण खुदकुशी करता है, तो महिला को इसके लिए उकसाने का दोषी नहीं ठहराया जा सकता है।

कोर्ट ने कहा था कि कमजोर मानसिकता वाले इंसान द्वारा लिए गए गलत फैसले के लिए किसी अन्य इंसान को खुदकुशी के लिए उकसाने का दोषी नहीं ठहराया जा सकता।

सुप्रीम कोर्ट के एडवोकेट अश्विनी कुमार दुबे कहते हैं कि कानून कहता है कि जब तक खुदकुशी के लिए प्रेरित या मजबूर करने का ठोस साक्ष्य न हो तब तक किसी भी व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा नहीं चलाया जा सकता, चाहे मामला प्रेमी के खुदकुशी करने का हो या किसी और के। वह कहते हैं कि इस सिलसिले में अदालतों ने अपने फैसले दे रखे हैं।

मौसम गर्म होते ही बढ़ गए हैं मच्छर, घर में रखीं ये सस्ती चीजें आएंगी काम

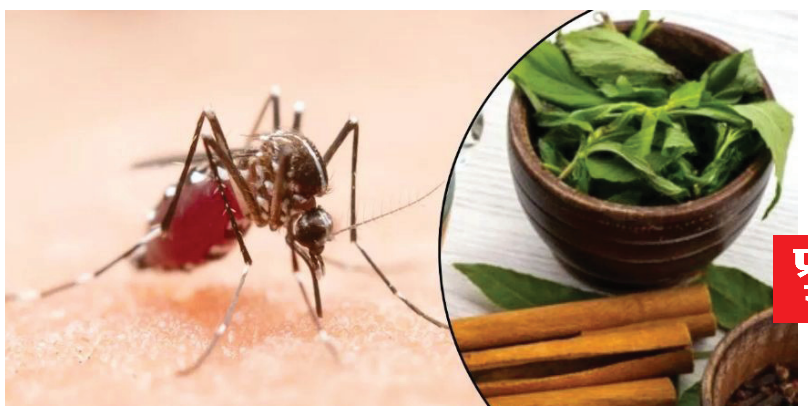

गर्मियों का मौसम अपने साथ उमस तो लेकर आता ही है, साथ ही में सबसे ज्यादा परेशानी होती है कि मच्छर काफी ज्यादा बढ़ जाते हैं। शाम होते ही घर में मच्छरों का आतंक शुरू हो जाता है। वैसे तो मार्केट में मच्छर भगाने के लिए कॉइल से लेकर कई तरह के लिक्विड स्प्रे के साथ ही क्रीम व लोशन भी मौजूद हैं, लेकिन ये सेहत के लिहाज से थोड़े नुकसानदायक हो सकते हैं। खासतौर पर जिन घरों में बच्चे हो वहां पर कॉइल जलाना सही नहीं रहता है। कुछ लोगों को कॉइल के धुएं और मच्छर दूर रखने वाली क्रीमों और लोशन से एलर्जी भी हो जाती है। मच्छर भगाने के लिए आप कुछ घरेलू नुस्खों को आजमा सकते हैं।

मार्केट में मिलने वाला मच्छर भगाने का स्प्रे हो या फिर लिक्विड और कॉइल, इन सभी चीजों में केमिकल्स का यूज होता है, जिससे आंखों में खुजली, त्वचा की एलर्जी, सांस लेने में परेशानी आदि समस्याएं हो सकती हैं। आप कुछ नेचुरल चीजों से भी मच्छर भगा सकते हैं और इसमें ज्यादा पैसे भी खर्च नहीं होते हैं।

सूखे नीम के पत्ते करेंगे मच्छरों का सफाया

मच्छरों से बचाव करने का सबसे अच्छा तरीका है कि हमेशा मच्छरदानी का यूज करना चाहिए। इसके अलावा मच्छर भगाने के पुराने नुस्खों की बात करें तो लोग काफी पहले से नीम के पत्तों का इस्तेमाल करते हुए आ रहे हैं। आप नीम की पत्तियों को सुखाकर रख लें और इसे जला दें। इसके धुएं से मच्छर तो भाग ही जाते हैं, साथ ही अन्य बैक्टीरिया का भी सफाया हो जाता है।

लोशन की जगह लगाएं ये तेल

गर्मियों में अगर मच्छर भगाने के लोशन या क्रीम से एलर्जी हो जाती है या फिर इसकी स्मेल परेशान करती है तो आप कोई ठंडा तेल लगा सकते हैं। लेमनग्रास और लौंग का तेल भी स्किन पर मच्छरों से बचाव के लिए प्रोटेक्टिव लेयर बनाता है। दरअसर इसकी महक से मच्छर दूर रहते हैं।

कपूर और तेजपत्ता से भाग जाएंगे मच्छर

एक मिट्टी के बाउल में 4 से 5 तेज पत्ता ले लें। इसमें कुछ लौंगे डालने के साथ ही 1-2 चम्मच सरसों का तेल भी डालें। अब कपूर की टिकिया को दो तीन टुकड़ों में करके इसी बाउल में डालकर जला दें। इसे एक साथ तेजी से जलाने की बजाय हल्के-हल्के सुलगने दें और धुएं को घर में दिखाएं। इससे आपको मच्छरों की समस्या से निजात मिलेगी।

मच्छर भगाने के लिए बनाएं देसी स्प्रे

मच्छर भगाने के लिए आप घर में स्प्रे तैयार कर सकती हैं। इसके लिए सबसे पहले लहसुन की कुछ कलियां लेकर अच्छी तरह से कूट लें और इसे पानी में डालकर उबाल लें। अब इस पाने को छानकर स्प्रे बोतल में डाल दें। इस स्प्रे को घर के कोनों, पेड़-पौधों के आसपास यानी ऐसी जगहों पर छिड़कें जहां पर मच्छर इकट्ठा होते हो।

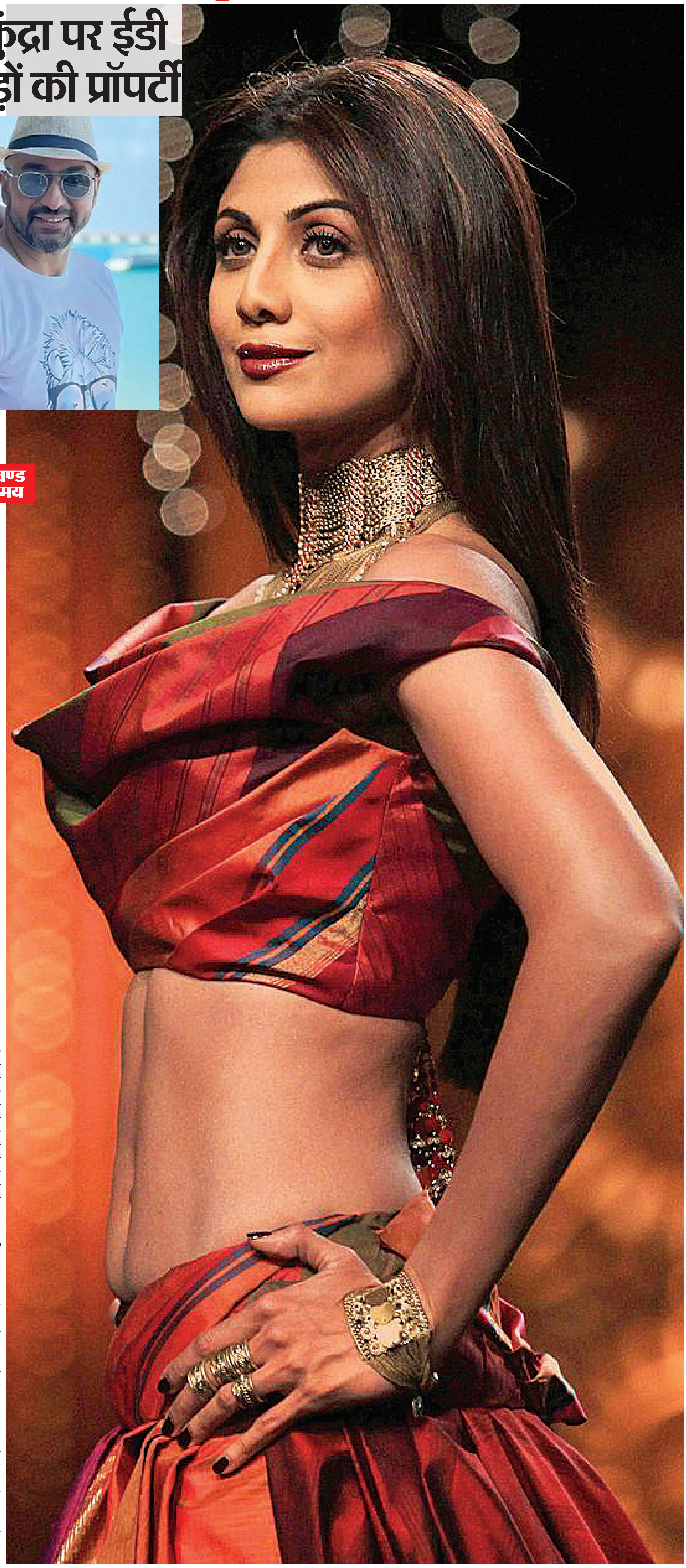

शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा पर ईडी का शिकंजा, जब्त हुई करोड़ों की प्रॉपर्टी

मुंबई. बॉलीवुड स्टार शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा एक बार फिर मुसीबत में पड़ गए हैं। पोर्नोग्राफी केस के बाद अब राज कुंद्रा पर बिटकॉइन इंवेस्टमेंट फ्रॉड का आरोप लगा है। जिसके बाद भारतीय प्रवर्तन निदेशालय यानी इंफॉर्समेंट डायरेक्टोरेट (ईडी) ने राज कुंद्रा और शिल्पा शेट्टी की करीब 98 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त कर ली है। इस मामले में समाचार एजेंसी एएनआई के एक ट्वीट से जानकारी मिली है। एक्स प्लेटफॉर्म (पहले ट्विटर) पर एक पोस्ट शेयर कर समाचार एजेंसी ने बताया है कि राज कुंद्रा और शिल्पा शेट्टी की मुंबई और पुणे स्थित करीब 98 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त कर ली गई है।

एंटरटेनमेंट न्यूज की दुनिया में सामने आई इस खबर ने इंडस्ट्री को हिलाकर रख दिया है। ईडी की ओर से समाचार एंजेसी को बताते हुए कहा गया, 'ईडी मुंबई ने रिपू सदन कुंद्रा उर्फ राज कुंद्रा की 97.7 करोड़ रुपये की चल और अचल संपत्ति पीएमएलए एक्ट 2002 के अंतर्गत जब्त कर ली है। जब्त की गई प्रॉपर्टी में जुहू स्थित एक रेजीडेंशियल फ्लैट है जो इस वक्त शिल्पा शेट्टी के नाम पर है। साथ ही एक रेजिडेंशियल बंगला है जो पुणे में हैं। और राज कुंद्रा के नाम इक्विटी शेयर हैं। जो जब्त किए गए हैं।' राज कुंद्रा पर ईडी का ये एक्शन उनके ऊपर बिटकॉइन में निवेश के जरिए निवेशकों से पैसे की धोखाधड़ी के मामले में किया गया है।

आखिर क्या है मामला?

मीडिया रिपोर्ट्सी मानें तो ईडी का ये एक्शन महाराष्ट्र और दिल्ली पुलिस की ओर से लिया गया। जब वन वेरिएबल टेक प्राइवेट लिमिटेड और दिवंगत आरोपी अमित भारद्वाज, विवेक भारद्वाज, सिम्पी भारद्वाज और महेंद्र भारद्वाज सहित कई और सदस्यों के खिलाफ मुंबई और दिल्ली पुलिस ने जांच शुरू की थी। इन पर आरोप था कि उन्होंने बिटकॉइन के जरिए उन्होंने प्रति महीने आम लोगों से 10 प्रतिशत के रिटर्न का लालच देकर एक बड़ी धनराशि इक्ट्ठा की थी। ये धनराशी साल 2017 में जमा की गई थी। जिसकी कुल रकम 6600 करोड़ रुपये है। इसके बाद प्रमोटर्स ने निवेशकों को धोखा दिया और गलत तरीके से बिटकॉइन में निवेश की गई राशि को छुपाया गया।

राज कुंद्रा तक कैसे जुड़ा कनेक्शन?

इतना ही नहीं, ईडी का आरोप है कि निवेशकों ने राज कुंद्रा को भी करीब 285 बिटकॉइन दिए थे। जिसका इस्तेमाल राज कुंद्रा की ओर से यूक्रेन में बिटकॉइन माइनिंग फर्म स्थापित करने के लिए किया जाना था। दिल्ली और महाराष्ट्र पुलिस की जांच के तार राज कुंद्रा तक जा पहुंचे। जिसके बाद उनके खिलाफ ये एक्शन लिया गया है। ईडी के मुताबिक राज कुंद्रा को मिले 285 बिटकॉइन की कीमत आज के दिन 150 करोड़ रुपये से भी ज्यादा है। जो आज भी उनके पास हैं।

पुलिस के हाथ लगा एक और शख्स, शूटरों और विश्नोई के बीच मैसेंजर था तीसरा आरोपी

मुंबई. बॉलीवुड एक्टर सलमान खान के घर पर 14 अप्रैल को बाइकसवार दो हमलावरों ने तीन राउंड फायरिंग हुई थी। इस मामले में मुंबई पुलिस ने दोनों मुख्य आरोपियों को गुजरात से गिरफ्तार किया था। अब इस केस में पुलिस ने हरियाणा से एक शख्स को हिरासत में लिया है और उसे मुंबई लाया गया है। बताया जा रहा है कि हरियाणा से हिरासत में लिया गया शख्स सलमान खान के घर पर फायरिंग करने वाले दोनों हमलावरों के संपर्क में था। हिरासत में लिया गया शख्स गैंगस्टर लॉरेंस विश्नोई के भाई अनमोल विश्नोई से निर्देश ले रहा था। फिलहाल, पुलिस सलमान खान के घर पर फायरिंग मामले की जांच कर रही है और आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

विक्की और सागर ने दी तीसरे शख्स की जानकारी

मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि सलमान खान के घर पर फायरिंग केस में मुंबई पुलिस ने जिस तीसरे शख्स को हिरासत में लिया है उसने मुख्य आरोपी विक्की गुप्ता और सागर पाल को काम करने के लिए 1 लाख रुपये थे और इसके बाद और पैसे देने का वादा किया था। हरियाणा से हिरासत में लिए गए शख्स के बारे में विक्की गुप्ता और सागर पाल ने ही पुलिस को बताया था। दोनों मुख्य आरोपियों का कहना है कि फायरिंग से जुड़ी जानकारी वह इस शख्स को दे रहे थे।

बताते चलें कि 14 अप्रैल को सलमान खान के घर गैलेक्सी अपार्टमेंट पर तीन राउंड फायरिंग हुई थी। इसके बाद मुंबई पुलिस और क्राइम ब्रांच एक्टिव हुई और 16 अप्रैल को विक्की गुप्ता और सागर पाल गुजरात के भुज से गिरफ्तार किया गया था। ये दोनों मुख्य आरोपी बिहार के रहने वाले हैं।

सलमान खान को डराना चाहते थे दोनों आरोपी

मुंबई क्राइम ब्रांच के अधिकारियों ने बताया कि दोनों आरोपी सलमान खान को मारना नहीं, बल्कि डराना चाहते थे। इसलिए उन्होंने सलमान खान के घर के बाहर फायरिंग की थी। वहीं, सूत्रों के हवाले से बताया जा रहा है कि क्राइम ब्रांच की टीम ने सलमान खान को भी बयान दर्ज किया है। सलमान खान ने अपने परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है और कहा है कि आखिर इतनी सुरक्षा के बीच फायरिंग कैसे हुई।

रणवीर सिंह ने मिलाया इस 300 करोड़ी साउथ फिल्म निर्देशक संग हाथ?

मुंबई. इसमें कोई दो राय नहीं है कि बॉलीवुड सुपरस्टार रणवीर सिंह एक बेहतरीन अभिनेता हैं। सुपरस्टार अपनी दमदार एक्टिंग स्किल्स के चलते कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों के साथ दर्शकों के दिल पर राज करते हैं। हालांकि लंबे वक्त से रणवीर सिंह को एक बड़ी हिट की तलाश है। जिसके लिए फिल्म स्टार सिर्फ बॉलीवुड ही नहीं, साउथ फिल्म इंडिया के भी कई फिल्म निर्देशकों के साथ चर्चा में हैं।

'हनुमान' निर्देशक संग रणवीर ने मिलाया हाथ

एंटरटेनमेंट न्यूज की दुनिया में सामने आई एक रिपोर्ट की मानें तो रणवीर सिंह इन दिनों साउथ फिल्म निर्देशक प्रशांत वर्मा संग संपर्क में हैं। पिंकविला की एक रिपोर्ट के हवाले से जानकारी मिली है कि फिल्म स्टार रणवीर सिंह ने हनुमान निर्देशक प्रशांत वर्मा को अप्रोच किया है। जिनके साथ उनकी कई दौर की बातचीत हो चुकी है। फिल्म निर्देशक प्रशांत वर्मा ने रणवीर सिंह को अपने एक महत्वकांक्षी प्रोजेक्ट के बारे में बताया है। जिसकी कहानी उन्हें बेहद पसंद आई है। ये एक भारतीय पौराणिक कहानी पर आधारित होगी। इंडियन मायथॉलोजिकल बेस्ड इस फिल्म को लेकर रणवीर सिंह भी एक्साइटेड हैं। मगर इसमें एक पेंच है। रणवीर सिंह के साथ अगली फिल्म को लेकर चल रही चर्चा को करीब 3 महीने हो चुके हैं। ये बातचीत अभी भी बेहद शुरुआती दौर में हैं। क्योंकि निर्देशक प्रशांत वर्मा अभी फिल्म इंडस्ट्री में नए हैं। उनकी इस अपकमिंग मूवी को एक बड़े फिल्म प्रोडक्शन हाउस की जरूरत होगी। क्योंकि फिल्म की कहानी और इसकी मेकिंग काफी विशाल स्तर पर होगी। रणवीर सिंह फिल्म की कहानी से तो इंस्पायर हैं। मगर इसकी मेकिंग में किसी बड़े फिल्म प्रोड्यूसर का बोर्ड में आना जरूरी होगा। जिसके लिए रणवीर सिंह और निर्देशक प्रशांत वर्मा ने टी-सीरीज, जियो स्टूडियो और वायकॉम 18 जैसे प्रोडक्शन हाउस के साथ बात की है। अभी फिल्म के प्रोजेक्ट के साथ किसी बड़े प्रोडक्शन हाउस का नाम नहीं जुड़ा है। ऐसे में फिल्म के आधिकारिक ऐलान में वक्त है। जैसे ही सभी चीजें तैयार होंगी। फिल्म को लेकर मेकर्स बड़ा ऐलान कर देंगे। दिलचस्प बात ये है कि ये अपकमिंग मूवी 'जय हनुमान' नहीं बल्कि एक और फ्रेश कहानी होगी।

स्वामी, संपादक, प्रकाशक एवं मुद्रक अश्वनी वर्मा- पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार। साई कुंज, नॉर्थ ओक, संजौली, शिमला, हिमाचल प्रदेश- 171006 से प्रकाशित और डीबी कॉर्प लिमिटेड, जीटी रोड, निकट बस स्टैंड सुभानपुर, हमीरा, जिला कपूरथला, पंजाब- 144802 द्वारा मुद्रित।